▪ पौष शुक्ल - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 167 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 10-01-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह पर कहा, मुझे लगता है कि वह अगले कप्तान होंगे

6 परंपरागत एवं आधुनिक चिकित्सा में समन्वय की जरूरत

7 मुझे इंदिरा गांधी बहुत मजबूत महिला लगती थीं, लेकिन पता चला कि वह तो कमजोर थीं

फर्स्ट टेक

उत्तर, मध्य, पूर्वी भारत में अगले चार दिन तक घने कोहरे का अनुमान

नई दिल्ली/एजेन्सी। देश के उत्तरी, मध्य और पूर्वी हिस्सों में अगले तीन से चार दिन तक घना से बहुत घना कोहरा छाये रहने का अनुमान जताया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों, उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में कल तक और 12 जनवरी को राजस्थान में रात और सुबह के समय घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहने के आसार हैं। आईएमडी ने कहा, 11 और 12 जनवरी को बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अलग-अलग इलाकों में रात और सुबह के समय घने कोहरे की स्थिति बने रहने का अनुमान है ।

तिरुपति में भगदड़ मामलें में दो प्राथमिकी दर्ज

तिरुपति/भाषा। तिरुपति में भगदड़ की घटना के सिलसिले में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में बुधवार रात भगदड़ मचने से कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। यह भगदड़ उस समय मची जब 'वैकुंठ द्वार दर्शनम' के लिए सैकड़ों श्रद्धालु टिकट पाने की कोशिश कर रहे थे। यह घटना शहर में एमजीएम स्कूल के पास बैरागी पट्टेदा में हुई। देशभर से सैकड़ों श्रद्धालु 10 जनवरी से शुरू होने वाले 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए यहां आए हैं। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत दर्ज की गई है, जो अप्राकृतिक मौतों से संबंधित है।

लश्कर-ए-तैयबा के तीन सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि तीनों को पुलिस, सेना और सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के संयुक्त दल ने जिले के कैमोह थाने में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी के संबंध में जांच के दौरान गिरफ्तार किया। इन तीनों आतंकवादी सहयोगियों की पहचान उबैद खुर्शीद खांडे, मकसूद अहमद भट और उमर बशीर के रूप में हुई है और वे सभी कुलगाम के थोकरपोरा के निवासी हैं।

सूर्यास्त 10-01-2025	सूर्योदय 11-01-2025
6:09 बजे	6:45 बजे

BSE	NSE
77,620.21	23,526.50
(-528.28)	(-162.45)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय-जय भारत

छोड़ो यार पुरानी बातें,
देखो नये वितान को।
आओ हम हिलमिल कर गाएं,
जन गण मन के गान को।
संकल्पित हो पूरा कर दें,
हर अच्छे अभियान को।
बोलेगी तब सारी दुनिया,
जय-जय हिंदुस्तान को।।

प्रवासी भारतीय देश के राजदूत , दुनिया में भारत का सिर ऊंचा किया

▪ जब दुनिया भर में अनेक जगहों पर युद्ध तथा टकराव चल रहे हैं यह विरासत दुनिया को प्रेरित करती है कि भविष्य बुद्ध में है, युद्ध में नहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रवासी भारतीयों को विदेशों में भारत का राजदूत करार देते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी मेहनत तथा सामाजिक मूल्यों से विश्व में भारत का सिर ऊंचा किया है।

मोदी ने यहां जनता मैदान में आयोजित '18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन' का उद्घाटन करते हुए राज्य के ऐतिहासिक स्थल धौली को शांति का प्रतीक बताया और कहा कि सम्राट अशोक ने यहां शांति का मार्ग चुना। उन्होंने कहा कि जब दुनिया भर में अनेक जगहों पर युद्ध तथा टकराव चल रहे हैं यह विरासत दुनिया को प्रेरित करती है कि भविष्य बुद्ध में है, युद्ध में नहीं।

प्रधानमंत्री ने दुनिया के विभिन्न भागों से आए सभी प्रतिनिधियों और प्रवासियों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में दुनिया भर में प्रवासी भारतीयों के विभिन्न कार्यक्रमों में आज यहां प्रस्तुत उद्घाटन गीत बजाया जाएगा। उन्होंने ग्रैमी पुरस्कार विजेता कलाकार रिकी केज और उनकी टीम की शानदार प्रस्तुति की सराहना की, जिसमें भारतीय

प्रवासियों की भावनाओं को दर्शाया गया। मोदी ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की राष्ट्रपति, क्रिस्टीन कार्ला कंगालू को उनके वीडियो संदेश में गर्मजोशी और स्नेह भरे शब्दों के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने भी भारत की प्रगति का उल्लेख किया है जो सब के लिए गौरव की बात है। प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम को भारत और उसके प्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, प्रवासी भारतीय दिवस भारत और उसके प्रवासियों के बीच बंधन को मजबूत करने वाली एक संस्था बन गई है। उन्होंने कहा कि इस दिन हम सब मिलकर भारत, भारतीयता, अपनी संस्कृति और प्रगति का जश्न मनाते हैं और साथ ही अपनी जड़ों से जुड़ते हैं। मोदी ने कहा कि ओडिशा में हर कदम पर हम अपनी विरासत देख सकते हैं। उन्होंने कहा, ओडिशा की महान भूमि, जहां हम एकत्र हुए हैं, भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि उदयगिरि और खंडगिरि की ऐतिहासिक गुफाओं या कोणार्क के भव्य सूर्य मंदिर या ताम्रलिप्ति, माणिकपटना और पलुर के प्राचीन बंदरगाहों को देखने पर हर कोई गर्व से भर जाएगा। उन्होंने कहा कि सैकड़ों साल पहले, ओडिशा के व्यापारियों और सौदागरों ने बाली, सुमात्रा और जावा जैसे स्थानों पर लंबी समुद्री यात्राएं की थीं और आज भी ओडिशा में बाली यात्रा उसी की याद में मनाई जाती है। उन्होंने कहा , ओडिशा का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल धौली शांति का प्रतीक है। सम्राट अशोक ने यहां शांति का मार्ग चुना था, जबकि दुनिया तलवार की ताकत से साम्राज्यों का विस्तार कर रही थी। यह विरासत भारत को दुनिया को यह बताने के लिए प्रेरित करती है कि भविष्य बुद्ध में है, युद्ध में नहीं।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उन्होंने हमेशा प्रवासी भारतीयों को भारत का राजदूत माना है। प्रवासी भारतीयों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्होंने वैश्विक मंच पर गर्व के साथ सिर ऊंचा करने का अवसर देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि पिछले एक दशक में, उन्होंने कई विश्व नेताओं से मुलाकात की है, जिनमें से सभी ने प्रवासी भारतीयों की उनके सामाजिक मूल्यों और उनके संबंधित समाजों में योगदान के लिए प्रशंसा की है।

पोंगल

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने फसल उत्सव 'पोंगल' के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को यहां उपहार वितरण का उद्घाटन किया। दो करोड़ से अधिक राशन कार्ड धारकों को दिये जाने वाले इस उपहार पैकेट में चावल, चीनी और गन्ने को शामिल किया गया है जिस पर 249.76 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। स्टालिन ने यहां सैदापेट में एक उचित मूल्य की दुकान पर लाभार्थियों को धोती और साड़ियों के निःशुल्क वितरण का भी उद्घाटन किया। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पोंगल उपहार पैकेट में एक किलो कच्चा चावल और चीनी के अलावा एक पूरा गन्ना होता है। चावल श्रेणी के कुल 2,20,94,585 राशन कार्ड धारकों के अलावा श्रीलंकाई तमिलों के पुनर्वास शिविरों में रह रहे कैदियों को इसका लाभ मिलेगा। इसके अलावा पोंगल पैकेट के साथ उचित मूल्य की दुकानों में 1.77 करोड़ धोतियां और 1.77 करोड़ साड़ियां वितरित की जाएंगी। नौ जनवरी, 2025 से 13 जनवरी, 2025 तक तमिलनाडु में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत आने वाली सभी 37,224 दुकानों पर चावल-राशन कार्ड धारकों को पोंगल उपहार प्रदान किया जाएगा। पोंगल त्यौहार 14 जनवरी 2025 को मनाया जाएगा।

आस्था अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाती है, प्रयागराज इसका उदाहरण है : आदित्यनाथ

महाकुम्भ नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में विपक्षी दलों की पूर्व सरकारों पर आस्था का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि प्रयागराज इस बात का उदाहरण बनेगा कि आस्था कैसे अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाती है।

मुख्यमंत्री ने यहां डिजिटल मीडिया सेंटर का लोकार्पण करने के

बाद पत्रकारों से कहा कि महाकुम्भ 2025 अब तक के सभी कुम्भ पर्वों से अधिक दिव्य और भव्य होगा। उन्होंने कहा, ''इस महाकुम्भ में आस्था एवं आधुनिकता का समागम होगा और यह समागम इसका उदाहरण भी बनेगा कि यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कैसे खुशहाली ला सकता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''2017 से पहले की सरकारों ने आस्था का सम्मान नहीं किया। हमने आस्था का सम्मान किया और आस्था कैसे अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाती है, प्रयागराज इसका उदाहरण बनने जा रहा है।''

भारत ने अधिक शक्तिशाली हाइड्रोजन ईंधन ट्रेन इंजन बनाया : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा विकसित हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले ट्रेन इंजन दुनिया में सबसे अधिक हॉर्स पावर वाला इंजन है। वैष्णव ने यहां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के ''हरित जुड़ाव: प्रवासियों का सतत विकास में योगदान'' शीर्षक से एक पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। वैष्णव ने कहा कि दुनिया में केवल चार देश ही ऐसे ट्रेन इंजन बनाते हैं, ''वे 500 से 600 हॉर्स पावर के बीच वाले इंजन का उत्पादन करते हैं, जबकि भारतीय रेलवे द्वारा स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके निर्मित इंजन की क्षमता 1,200 हॉर्स पावर है, जो इस श्रेणी में अबतक का सबसे अधिक है।''

मंत्री ने कहा कि इस तरह की पहली ट्रेन का जल्द ही हरियाणा में जींद-सोनीपत मार्ग पर परीक्षण होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इंजन निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन वर्तमान में इसकी प्रणाली का एकीकरण चल रहा है। मंत्री ने कहा कि इस तरह की तकनीकी उन्नति से देश को आत्मविश्वास मिलता है और भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के मामले में अभी लंबा सफर तय करना है तथा मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनने की जरूरत है।

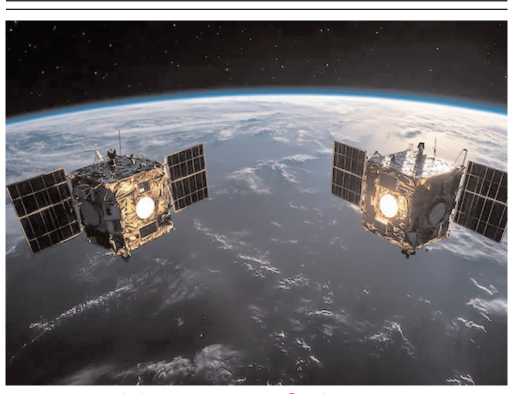

स्पेडेक्स : इसरो ने कहा-

उपग्रहों के बीच विचलन पर काबू पाया गया

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पेडेक्स) के दौरान उपग्रहों के बीच विचलन पर काबू पा लिया है और अंतरिक्ष यानों को एक-दूसरे के करीब आने के लिए धीमी गति से विचलन की मुद्रा में रखा गया है। इसरो के मुताबिक, प्रयोग के शुक्रवार को आरंभिक स्थिति में पहुंचने की उम्मीद है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा, ''स्पेडेक्स डॉकिंग अपडेट : विचलन पर काबू पा लिया गया है और अंतरिक्ष यानों को एक-दूसरे के करीब आने के लिए धीमी गति से विचलन की मुद्रा में रखा गया है। कल तक, इसके आरंभिक स्थिति में पहुंचने की संभावना है।''

इसरो अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने से जुड़े स्पेडेक्स प्रयोग को दो बार (सात जनवरी और नौ जनवरी को) स्थगित कर चुका है। प्रयोग को टालने के पीछे का कारण बताते हुए इसरो ने बृहस्पतिवार को कहा कि उपग्रहों के बीच 225 मीटर की दूरी तक पहुंचने का अभ्यास करने के दौरान गैर-दृश्यमान अवधि के बाद के समय में विचलन उम्मीद से अधिक पाया गया था।

इसरो ने कहा कि नियोजित डॉकिंग स्थगित कर दी गई और उपग्रह पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और अमेरिका एकजुट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के मामले में एकजुट हैं। दोनों देशों के बीच संबंधों को ''बहुआयामी'' बताते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी स्वप्न और भारतीय स्वप्न एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

गार्सेटी ने भारत में अपने कार्यकाल को ''अत्यंत असाधारण'' बताया और कहा कि भारत ने उनका दिल जीत लिया।

यहां एक कार्यक्रम से इतर चुनिंदा मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में ''अनंत संभावनाएं'' हैं।

भारत में गार्सेटी का अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में उनका कार्यकाल उनके जीवन का सबसे असाधारण कार्य रहा।

गार्सेटी ने कहा, राष्ट्रपति जो. बाइडन ने कहा था कि भारत उनके लिए दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण देश है और यदि आप भविष्य पर काम करना चाहते हैं, तो आपको भारत आने की जरूरत है।

भारत के साथ राजनीतिक, आर्थिक रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं : अफगानिस्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने कहा है कि भारत एक 'अहम' क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति है। तालिबान की यह टिप्पणी विदेश सचिव विक्रम मिसरी और अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के बीच दुबई में बुधवार को हुई बातचीत के बाद आई है। मिसरी और मुत्तकी ने अगस्त 2021 में तालिबान के

अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज होने के बाद दोनों देशों के बीच आयोजित पहली सार्वजनिक उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की।

अफगान विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मुत्तकी ने ''मानवीय सहायता के लिए भारत का आभार जताया और कहा कि अपनी संतुलित एवं अर्थव्यवस्था-केंद्रित विदेश नीति के तहत हम भारत के साथ राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं।''

मंत्रालय ने कहा, ''विदेश मंत्री ने भारतीय पक्ष को भरोसा दिलाया कि उसे अफगानिस्तान से कोई खतरा नहीं है। उन्होंने राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत से अपने व्यापारियों, मरीजों और छात्रों को वीजा सुविधा मिलने की आशा भी व्यक्त की।''

बयान में कहा गया कि बैठक में अफगानिस्तान के वाणिज्य और परिवहन मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। इसमें कहा गया कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के उपायों पर व्यापक चर्चा हुई।

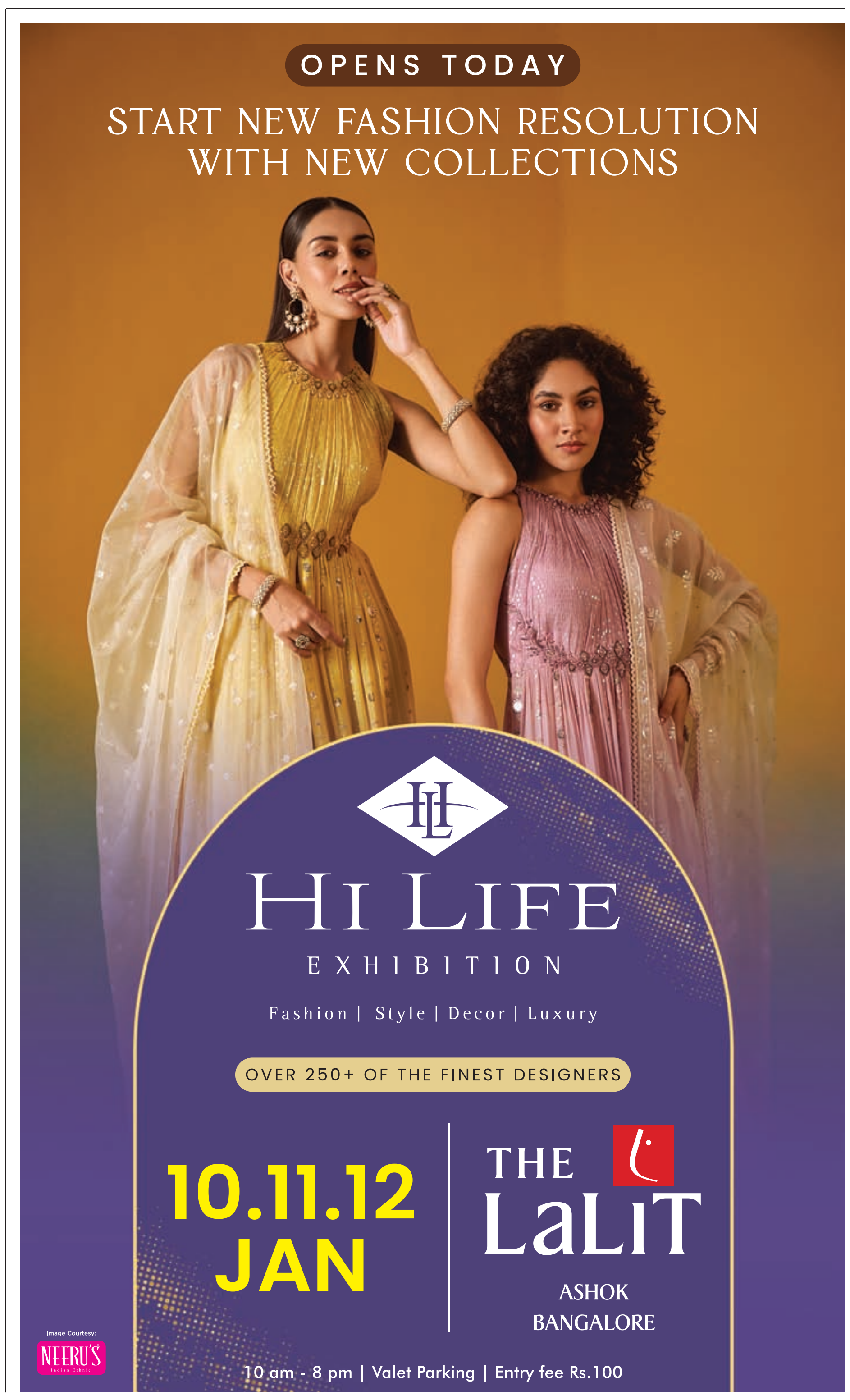

तिरुपति में भगदड़ की घटना की न्यायिक जांच होगी : मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह तिरुपति में भगदड़ की घटना की न्यायिक जांच का आदेश देंगे, जिसमें छह लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस अधीक्षक सहित तीन वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला किया गया है। नायडू ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने लापरवाही के लिए एक डीएसपी सहित दो अधिकारियों को निलंबित करने का भी आदेश दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने तिरुपति में प्रशासन और निगरानी तंत्र में कुछ कमियां पायी हैं, जिन्हें 'बिल्कुल सही' होना चाहिए था।

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए नायडू ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपए और घायलों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने तिरुपति में टोकन जारी करने की एक नई प्रणाली शुरू की थी, जबकि पहले तिरुमला पहाड़ियों में टोकन देने की व्यवस्था थी। तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में बुधवार रात भगदड़ मचने से कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। यह भगदड़ उस समय मची जब 'वैकुंठ द्वार दर्शनम' के लिए सैकड़ों श्रद्धालु टिकट पाने की कोशिश कर रहे थे।

यह घटना शहर में एमजीएम स्कूल के पास बैरागी पट्टेदा में हुई। देशभर से सैकड़ों श्रद्धालु 10 जनवरी से शुरू होने वाले 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए यहां आए हैं। इससे पहले नायडू ने उस अस्पताल का दौरा किया जहां घायलों का इलाज हो रहा है।

आईओसी, बीपीसीएल, एचपीसीएल को 35,000 करोड़ रुपए की एलपीजी सब्सिडी दे सकती है सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लि. (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) को 35,000 करोड़ रुपए की एलपीजी सब्सिडी दे सकती है। यह सब्सिडी इस वित्त वर्ष में ईंधन बेचने पर हुए नुकसान की भरपाई के लिए दिए जाने की संभावना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

तीन ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने कच्चे माल की लागत में वृद्धि के बावजूद मार्च, 2024 से घरेलू एलपीजी की कीमत 803 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर अपरिवर्तित रखी है। इससे एलपीजी यानी रसोई गैस की बिक्री पर उन्हें नुकसान हुआ है और अप्रैल-सितंबर (चालू 2024-25 वित्त वर्ष की पहली छमाही) में उनकी कमाई में कमी आई है।

मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में उद्योग के लिए एलपीजी बिक्री पर कुल 'अंडर-रिकवरी' यानी नुकसान लगभग 40,500 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। इसके एवज में सरकार दो वित्त वर्षों के लिए कुल मिलाकर 35,000 करोड़ रुपए उपलब्ध करा सकती है। उन्होंने कहा कि आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 10,000 करोड़ रुपए और शेष 25,000 करोड़ रुपए अगले वित्त वर्ष में मिलने की संभावना है। सब्सिडी का प्रावधान 2025-26 के केंद्रीय बजट में किए जाने की संभावना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को बजट पेश करेंगी।

सूत्रों ने कहा कि कंपनियों को प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर लगभग 240 रुपए का नुकसान है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां परिवारों को इसे 803 रुपए की कीमत पर बेचती हैं। परिवारों को उच्च बाजार दर से राहत देने के लिए सरकार घरेलू एलपीजी के दाम नियंत्रित करती है। विनियमित कीमतें सऊदी सीपी (घरेलू एलपीजी की कीमत के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय मानक) से कम है। इसका कारण घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है और ईंधन का आयात करना पड़ता है। इससे ईंधन खुदरा विक्रेताओं को लागत के मुकाबले वसूली कम होती है और परिणामस्वरूप उन्हें नुकसान होता है।

एनसीसी कैडेट बड़े सपने देखें, परिवर्तनकर्ता और कल के नेता बनने का प्रयास करें : सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट के रूप में अपने दिनों को याद किया और युवाओं से बड़े सपने देखने के साथ ही उनसे कल के ''परिवर्तनकर्ता, नवप्रवर्तक और नेता'' बनने का आग्रह किया।

जनरल द्विवेदी दिल्ली छावनी में जारी 'राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) रिपब्लिक डे कैंप' में शामिल हुए और उन्होंने वहां मौजूद कैडेट तथा अधिकारियों को संबोधित किया। जनरल द्विवेदी ने एनसीसी के एक अभियान दल को शुभकामनाएं भी दीं, जो इस वर्ष के अंत में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रयास करेगा।

सेना प्रमुख ने कहा, एनसीसी का हिस्सा बनना जीवन जीने का एक तरीका है। कैडेट के रूप में बिताए गए प्रारंभिक वर्ष आपमें से प्रत्येक की एक विशिष्ट पहचान बनाएंगे और आगे चलकर आपके जीवन की उपलब्धियों की नींव रखेंगे। जनरल द्विवेदी ने कहा कि यह जानना भी उत्साहवर्धक है कि 2024 में 100 छात्र कैडेट और 10 छात्रा कैडेट एनसीसी की प्रवेश योजनाओं के माध्यम से सेना की प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण अकादमियों में शामिल हुए, जबकि 8,800 से अधिक एनसीसी कैडेट अग्निवीर के रूप में सेना में शामिल हुए।

शिविर में पहुंचने पर सेना प्रमुख का एनसीसी कैडेटों ने स्वागत किया। बाद में, उन्होंने ध्वज क्षेत्र में उनमें से कुछ के साथ बातचीत भी की, साथ ही कुछ को स्मृति चिह्न भेंट किए।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए

रायपुर/सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने कहा कि सुकमा में नक्सल रोधी अभियान में सुरक्षाबलों को सफलता मिली है। उन्होंने रायपुर में संवाददाताओं को बताया कि अब तक तीन नक्सलियों के शव बरामद हो चुके हैं और तलाश अभियान अब भी जारी है।

शर्मा के पास गृह विभाग भी है। छह जनवरी को बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, नक्सलियों ने जो किया उसके बाद सुरक्षाबलों में भारी गुस्सा है।

नक्सलियों द्वारा किए गए इस आईईडी विस्फोट में आठ सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे और उनके वाहन के चालक की भी मौत हो गई थी। शर्मा ने कहा, मैंने उनसे (सुरक्षाबलों से) मुलाकात की है। मैं दोहराता हूं कि हमारे जवानों की शक्ति और साहस से (नक्सल) खतरे को निर्धारित समय के भीतर खत्म कर दिया जाएगा।

आगामी बजट में 'कर के आतंक' और 'जनता से लूट' पर विराम लगाए सरकार: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को ''गृहस्थी सत्यानाश टैक्स'' करार देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने जीएसटी को गरीब और मध्यम वर्ग से उनकी गाढ़ी कमाई लूटने का माध्यम बना दिया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह भी कहा कि सरकार को अगले महीने पेश होने वाले केंद्रीय बजट में ''कर के आतंक'' और ''जनता से लूट'' पर विराम लगाना चाहिए।

कांग्रेस के 12 नेताओं ने बृहस्पतिवार को 'जीएसटी की त्रासदी' विषय पर देश के 12 अलग-अलग शहरों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, गब्बर सिंह टैक्स कहें या ''गृहस्थी सत्यानाश टैक्स'' या फ़िर 'गिव सीतारमण टैक्स''। भाजपा के जीएसटी को हम जिस भी नाम से संबोधित करें, एक बात तय है कि मोदी सरकार ने जीएसटी को गरीब और मध्यम वर्ग से उनकी गाढ़ी कमाई लूटने का माध्यम बना दिया है। उन्होंने दावा किया, नौ प्रकार की जीएसटी दर इसे ''गुड एंड सिंपल टैक्स' नही, जटिल और बेतुका बनाते हैं।

खरगे ने कहा, मोदी सरकार रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह का जश्न मनाकर जनता के जले पर नमक छिड़कने का काम करती है। कुल जीएसटी का दो तिहाई हिस्सा यानी 64 प्रतिशत गरीब और मध्य वर्ग की जेब काट कर आता है, पर अरबपतियों से केवल तीन प्रतिशत जीएसटी वसूला जाता है, जबकि कॉरपोरेट कर की दर 30 प्रतिशत से घटाकर 22% कर दी गई है।

शंभू सीमा पर एक और किसान ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटियाला/भाषा। हरियाणा-पंजाब की शंभू सीमा पर प्रदर्शन कर रहे 55 वर्षीय किसान ने बृहस्पतिवार को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। किसान नेताओं ने कहा कि आंदोलन स्थल पर तीन सप्ताह के भीतर इस तरह की यह दूसरी घटना है।

मृतक किसान की पहचान तरनतारन जिले के पाहुविंड के निवासी रेशम सिंह के रूप में हुई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी की मांग को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए किसान पिछले एक साल से शंभू सीमा पर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों ने बताया कि रेशम सिंह को पटियाला के राजिंद्रा अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। किसान नेता तेजवीर सिंह ने बताया कि रेशम सिंह लंबे समय से जारी विरोध प्रदर्शन के बावजूद मुद्दों का समाधान नहीं किए जाने को लेकर केंद्र सरकार से नाखुश थे।

शंभू सीमा पर 18 दिसंबर को भी एक किसान रणजोध सिंह ने आत्महत्या कर ली थी। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान पिछले साल 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर डेरा डाले हुए हैं। पिछले साल 13 फरवरी को सुरक्षा बलों ने उन्हें दिल्ली कूच करने से रोक दिया था।

इस्कॉन के साथ मिलकर महाकुम्भ में 'महाप्रसाद सेवा' चलाएगा अदाणी समूह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह और इंटरनेशनल सोसायटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ने इस साल प्रयागराज में महाकुम्भ मेले में श्रद्धालुओं को भोजन परोसने के लिए हाथ मिलाया है। 'महाप्रसाद सेवा' 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुम्भ मेले की पूरी अवधि के दौरान की जाएगी।

इस पहल के लिए इस्कॉन को धन्यवाद देने के लिए अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बृहस्पतिवार को इस्कॉन शासी निकाय आयोग (जीबीसी) के चेयरमैन गुरु प्रसाद स्वामी से मुलाकात की। 'महाप्रसाद सेवा' में इस्कॉन के सहयोग पर अदाणी ने कहा, कुम्भ सेवा का एक पवित्र स्थान है, जहां हर भक्त भगवान की सेवा में शामिल होता है। यह मेरा सौभाग्य है कि हम इस्कॉन के सहयोग से महाकुम्भ में भक्तों के लिए 'महाप्रसाद सेवा' शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मां अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से लाखों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। आज मुझे इस्कॉन के गुरु प्रसाद स्वामी जी से मिलने का अवसर मिला और मैंने सेवा के प्रति समर्पण की शक्ति को गहराई से अनुभव किया। सच्चे अर्थों में सेवा ही देशभक्ति का सर्वोच्च रूप है। सेवा ही ध्यान है, सेवा ही प्रार्थना है और सेवा ही ईश्वर है। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी के प्रमुख प्रचारकों में से एक गुरु प्रसाद स्वामी ने कहा, अदाणी समूह हमेशा से कॉरपोरेट जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा का एक शानदार उदाहरण रहा है। महाप्रसाद सेवा 50 लाख श्रद्धालुओं को प्रदान की जाएगी।

स्विगी ने रेस्तरांओं के बचे भोजन को वितरित करने की पहल शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन ऑर्डर पर खान-पान की वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले मंच स्विगी ने बृहस्पतिवार को अपनी मूल्य शृंखला में खाने की बर्बादी को कम करने के लिए 'स्विगी सर्व्स' पहल शुरू की।

इस कार्यक्रम के तहत स्विगी अपने रेस्तरां भागीदारों से बचे भोजन को वंचित समुदायों में वितरित करेगी।

इस पहल के लिए स्विगी ने स्वयंसेवी संगठन रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) के साथ साझेदारी की है। रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) एक स्वयंसेवक-आधारित, शून्य-निधि संगठन है। इसमें हजारों युवा पेशेवर, सेवानिवृत्त लोग, गृहणियां और कॉलेज के छात्र स्वयंसेवक के रूप में शामिल हैं।

इस मौके पर 'स्विगी फूड मार्केटप्लेस' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोहित कपूर ने कहा, फिलहाल हम 33 शहरों में मौजूद हैं और हम इस पहल को और अधिक शहरों में ले जाने की योजना बना रहे हैं।

अंबेडकर जन्मस्थली पर रैली करने से पहले अपने पुराने पाप धोए कांग्रेस : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मध्यप्रदेश स्थित जन्मस्थली महू में कांग्रेस की 26 जनवरी को प्रस्तावित रैली को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को प्रमुख विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसने अंबेडकर के जीवनकाल में उनका हमेशा अपमान किया।

देश में अंबेडकर की विरासत को लेकर जारी सियासी रस्साकशी के बीच कांग्रेस इंदौर के पास महू में गणतंत्र दिवस पर जय बापू-जय भीम-जय संविधान रैली का आयोजन करने जा रही है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं के मुताबिक रैली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी भाग लेंगे। कांग्रेस के इस आयोजन के बारे में पूछे जाने पर यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, अंबेडकर के जीते जी कांग्रेस ने सदैव उनका अपमान किया और उन्हें कोई भी चुनाव नहीं जीतने दिया। यादव ने कहा कि कांग्रेस ने अंबेडकर को कदम-कदम पर लज्जित करने का काम किया, ऐसे में उसे पहले अपने पुराने पाप धोने चाहिए। उन्होंने यहां कांग्रेस के 23 दिसंबर के एक प्रदर्शन की याद दिलाते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी अंबेडकर की तस्वीर को अपने घुटने पर रखकर इसके पीछे कागज पर कुछ लिखते दिखाई दिए थे और उनकी इस हरकत से संविधान निर्माता का सार्वजनिक तौर पर अपमान हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा, महू आने से पहले राहुल गांधी को अपने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को समझाना चाहिए कि वह अंबेडकर के इस अपमान के लिए माफी मांगें। कांग्रेस को पटवारी पर (अनुशासनात्मक) कार्रवाई भी करनी चाहिए।

माता-पिता को बेटी की शिक्षा के लिए धन देने के वास्ते बाध्य किया जा सकता है: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि बेटी को अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च प्राप्त करने का वैध अधिकार है और उन्हें (माता-पिता) अपने साधनों के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने यह टिप्पणी वैवाहिक विवाद के एक मामले में की, जिसमें अलग रह रहे दंपति की बेटी ने अपनी मां को दिए जा रहे कुल गुजारा भत्ते के एक हिस्से के रूप में अपने पिता द्वारा उसकी पढ़ाई के लिए दिए गए 43 लाख रुपए लेने से इनकार कर दिया। दंपति की बेटी आयरलैंड में पढ़ाई कर रही है।

पीठ ने दो जनवरी के अपने आदेश में कहा, बेटी होने के नाते उसे अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च प्राप्त करने का अपरिहार्य, कानूनी रूप से लागू करने योग्य और वैध अधिकार है। हमरा मानना है कि बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है और इसके लिए माता-पिता को अपने वित्तीय संसाधनों की सीमा के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है।

आदेश में कहा गया है कि दंपति की बेटी ने अपनी गरिमा बनाए रखने के लिए राशि लेने से इनकार कर दिया था और उनसे (पिता) पैसे वापस लेने को कहा था, लेकिन उन्होंने (पिता ने) इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा कि बेटी कानूनी तौर पर इस राशि की हकदार है। पीठ ने अलग रह रहे दंपति की ओर से 28 नवंबर 2024 को किए गए समझौते का उल्लेख किया, जिस पर बेटी ने भी हस्ताक्षर किए थे।

अदालत ने कहा कि पति अपनी अलग रह रही पत्नी और बेटी को कुल 73 लाख रुपए देने पर सहमत हो गया था, जिसमें से 43 लाख रुपए उनकी बेटी की शैक्षणिक जरूरतों के लिए और बाकी पत्नी के लिए थे।

पीठ ने कहा कि चूंकि पत्नी को उसका 30 लाख रुपए का हिस्सा मिल चुका है और दोनों पक्ष पिछले 26 वर्षों से अलग-अलग रह रहे हैं, इसलिए पीठ को आपसी सहमति से तलाक का आदेश न देने का कोई कारण नजर नहीं आता। न्यायालय ने कहा, परिणामस्वरूप, हम संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपसी सहमति से तलाक का आदेश देकर दोनों पक्षों का विवाह विच्छेद करते हैं।

अगर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' सिर्फ संसदीय चुनावों के लिए था तो इसे खत्म कर देना चाहिए : उमर अब्दुल्ला

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेतृत्व और एजेंडे के बारे में स्पष्टता की कमी पर बृहस्पतिवार को निराशा व्यक्त की और कहा कि यदि गठबंधन केवल संसदीय चुनाव के लिए था तो इसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा कि आप, कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दल यह तय करेंगे कि भाजपा से प्रभावी ढंग से कैसे मुकाबला किया जाए। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, दिल्ली में विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें गठबंधन के सभी सदस्यों की बैठक बुलानी चाहिए। यदि यह गठबंधन केवल संसदीय चुनावों के लिए था तो इसे समाप्त कर देना चाहिए और हम अलग-अलग काम करेंगे। लेकिन यदि यह विधानसभा चुनावों के लिए भी है तो हमें एक साथ बैठना होगा और सामूहिक रूप से काम करना होगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता अब्दुल्ला राजद नेता के उस बयान के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' केवल लोकसभा चुनावों के लिए था। उन्होंने कहा, जहां तक मुझे याद है, इसके लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई थी। मुद्दा यह है कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की कोई बैठक नहीं बुलाई जा रही है।

मात्र नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ूंगा मैं : अरविंद केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नई दिल्ली से हार जाने के डर से एक अन्य सीट से भी दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने के भाजपा नेताओं के दावे को खारिज करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह मात्र एक सीट से चुनाव लड़ेंगे। केजरीवाल ने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव 'इंडिया' गठबंधन का मामला नहीं है, क्योंकि दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला है।

नई दिल्ली से 2013 से तीन बार के वर्तमान विधायक केजरीवाल का इस बार इस सीट पर दिल्ली के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों के साथ कड़ा त्रिकोणीय मुकाबला है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित को टिकट दिया है।

शीला दीक्षित तीन कार्यकालों के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थीं। केजरीवाल ने प्रेस वार्ता में कहा, मैं बस एक ही सीट से चुनाव लड़ रहा हूं। प्रेस वार्ता में उनसे भाजपा के इस दावे के बारे में पूछा गया था कि वह नई दिल्ली से हार के डर से दूसरी सीट से भी चुनाव लड़ने जा रहे हैं। आप नेता का स्पष्टीकरण भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय द्वारा 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट के बाद आया है। मालवीय ने लिखा था कि नई दिल्ली से अपनी आसन्न हार के डर से केजरीवाल अपने निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची के बारे में 'निराधार आरोप' लगा रहे हैं और दो सीट से चुनाव लड़ने की 'बात' कर रहे हैं।

'फॉर्मूला-ई रेस' हैदराबाद की ब्रांड छवि को मजबूत बनाने के लिए थी : राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के समक्ष पेश होने से पहले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने बृहस्पतिवार को कहा कि जब वह पिछली सरकार में मंत्री थे, तब उनका एजेंडा हैदराबाद को एक गतिशील एवं महत्वपूर्ण केंद्र बनाना था, क्योंकि दुनिया इसी ओर बढ़ रही है और 'फॉर्मूला-ई रेस' उसी महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण का एक हिस्सा थी।

राव को केटीआर के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें एसीबी ने 'फॉर्मूला-ई रेस' के आयोजन को लेकर कथित ''अनधिकृत'' भुगतान से संबंधित मामले में पूछताछ के लिए बृहस्पतिवार को सुबह 10 बजे बुलाया था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत में एक प्रतिष्ठित आयोजन कराने कराने को लेकर अथक प्रयास किया, ताकि हैदराबाद और तेलंगाना की 'ब्रांड' छवि को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया जा सके। इसका एजेंडा हैदराबाद को स्थायी गतिशीलता वाला महत्वपूर्ण केंद्र बनाना था, क्योंकि दुनिया इस दिशा में आगे बढ़ रही है। 'फॉर्मूला-ई रेस' इस महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण को साकार करने के प्रयास का एक हिस्सा थी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य 'टीएमवी (तेलंगाना मोबिलिटी वैली) क्लस्टर' को नवाचार, अनुसंधान और इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण का केंद्र बनाना था, जिससे रोजगार और राजस्व का सृजन होगा। उन्होंने कहा, क्षुद्र राजनीति से प्रेरित छोटी सोच वाले लोग शायद इनमें से कुछ भी कभी नहीं समझ पाएंगे, लेकिन मुझे विश्वास है कि तेलंगाना के लोग जो सब कुछ देख रहे हैं, वे हमारी सच्चाई और इस दृष्टिकोण को समझेंगे। सत्य और न्याय की हमेशा जीत होती है।

मुलाकात

कोडवा फैमिली हॉकी टूर्नामेंट एसोसिएशन के सदस्य कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मिले और बेंगलूरु में टूर्नामेंट का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफिकेट दिखाया।

कर्नाटक में नक्सलवाद लगभग समाप्त : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा कि छह नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद प्रदेश में नक्सलवाद लगभग खत्म हो गया है। उन्होंने आलोचनाओं के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के समक्ष नक्सलियों के आत्मसमर्पण का भी जोरदार बचाव किया।

परमेश्वर ने कहा कि आत्मसमर्पण करते समय नक्सली निहत्थे थे और पुलिस जांच करेगी कि उन्होंने अपने हथियार कहां छोड़े। बुधवार को आत्मसमर्पण करने वाले छह नक्सलियों के समूह में कर्नाटक के चार नक्सली शामिल हैं, जिनमें श्रृंगेरी की रहने वाली मुंडागरु लता, कलसा के वनजाक्षी बालेहोले, दक्षिण कन्नड़ की सुंदरी कुटलुरु और रायचूर के मारेप्पा अरोली।

बाकी बचे दो अन्य नक्सलियों में तमिलनाडु के वेल्लोर का रहने वाला वसंता और केरल के वायनाड की रहने वाली एन जीशा है।

परमेश्वर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना के जवाब में कहा, कौन कह रहा है कि नक्सलियों का मुख्यमंत्री के सामने आत्मसमर्पण करना उचित नहीं था? उन्हें बताना चाहिए कि क्या गलत है और उन्हें ऐसा क्यों लगता है। हम समाज को यह संदेश देना चाहते थे कि नक्सलवाद के लिए कोई जगह नहीं है। जब मुख्यमंत्री के सामने आत्मसमर्पण होता है, तो पूरा राज्य जागरूक हो जाता है और नक्सलवाद में विश्वास रखने वाले लोग पुनर्विचार कर सकते हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आत्मसमर्पण का उद्देश्य नक्सल गतिविधियों में शामिल लोगों को यह संदेश देना था कि सरकार और मुख्यमंत्री उन्हें सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मंत्री ने कहा, इसमें क्या गलत है? आलोचकों को बताने दीजिए। केवल यह कहना कि मुख्यमंत्री के सामने आत्मसमर्पण नहीं होना चाहिए था, सही नहीं है। उन्हें अपनी आपत्तियों के लिए कारण बताने चाहिए।

गृह मंत्री ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास को लेकर उठाई गई आपत्तियों का जवाब देते हुए इस फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा, हम नक्सल गतिविधियों में शामिल उन सभी लोगों को पैकेज देंगे जो मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं। इसमें गलत क्या है?

आत्मसमर्पण करने वाले छह नक्सलियों को कर्नाटक नक्सल आत्मसमर्पण नीति, 2024 की श्रेणी 'ए' और 'बी' के तहत पुनर्वासित किया जाएगा और प्रत्येक को तीन लाख रुपए दिए जाएंगे।

बेल्लारी में जींस पार्क की स्थापना की जाएगी: पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बड़े एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) बेल्लारी के निकट संजीवारयानकोटे में एक जींस पार्क की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता ने जींस उद्योग को बढ़ावा देने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए आश्वासन को पूरा करने के लिए परियोजना के वास्ते 154 एकड़ भूमि का पहले ही अधिग्रहण किया जा चुका है।

पाटिल के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि प्रस्तावित पार्क में विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कंपनियों के उपस्थिति दर्ज कराने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में अस्थिर स्थिति ने निवेशकों और निर्यातकों को विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया है और बेल्लारी एक अनुकूल गंतव्य के रूप में उभरा है। हमारा लक्ष्य जींस क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित करके इसका लाभ उठाना है।

मंत्री ने कहा कि बेल्लारी में 500 से अधिक जींस विनिर्माण इकाइयां हैं जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करती हैं।

उद्योग विभाग ने कपड़ा विभाग की सहायता से इस क्षेत्र को एक संगठित निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि जींस विनिर्माण इकाइयों के लिए संभावित प्रोत्साहन विकल्पों पर चर्चा के लिए जल्द कपड़ा मंत्री के साथ बैठक की जाएगी।

बस की चपेट में आने से बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

रामनगर (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के रामनगर में कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

घटना में गंभीर रूप से घायल एक महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार दुर्घटना रामनगर और कनकपुरा के बीच अचलू गांव में हुई।

मोटरसाइकिल चालक अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कनकपुरा से रामनगर जा रहा था। विपरीत दिशा से आ रही केएसआरटीसी बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दुर्घटना हो गई।

14 को सबरीमला पहुंचेंगे 'तिरुवभरण'

सबरीमला/भाषा। केरल के अयप्पा मंदिर में चढ़ाए जाने वाले 'तिरुवभरण' (पवित्र आभूषण) मकर संक्रम यानी 12 जनवरी को पंडालम शाही महल परिसर से ले जाए जाएंगे और पारंपरिक मार्ग से होते हुए इन्हें 14 जनवरी को 'मकरविलक्कु' के मौके पर सबरीमला सन्निधानम पहुंचाया जाएगा। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष पीएस प्रशांत ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि भगवान अयप्पा की मूर्ति पर चढ़ाए जाने वाले आभूषणों को देवस्वोम और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा औपचारिक रूप से प्राप्त किया जाएगा और सन्निधानम ले जाया जाएगा।

कर्नाटक कांग्रेस में किसी प्रकार का भ्रम नहीं : जी. परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी को भी उनके नेतृत्व में एससी/एसटी (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति) नेताओं की बैठक को लेकर किसी भी तरह से 'चिंतित' होने की जरूरत नहीं है। बैठक को अब स्थगित कर दिया गया है।

परमेश्वर के नेतृत्व में बुधवार शाम को एससी/एसटी समुदायों से कांग्रेस नेताओं, मंत्रियों और सांसदों की एक बैठक निर्धारित थी, जिसे राज्य के प्रभारी और कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के निर्देश के बाद स्थगित करना पड़ा।

बताया जा रहा है कि यह बैठक एससी/एसटी सम्मेलन की तैयारी के लिए आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य पार्टी के लिए समुदाय का समर्थन जुटाना था।

सूत्रों के अनुसार, बैठक को स्थगित करने का निर्णय उस समय लिया गया, जब डीके शिवकुमार पार्टी के घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए सोमवार रात नई दिल्ली में कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल से मिले।

पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या 13 जनवरी को होने वाली विधायक दल की बैठक का उद्देश्य पार्टी में आंतरिक भ्रम को दूर करना है, परमेश्वर ने कहा, कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई है, एजेंडा अब तक साफ नहीं है। किसी प्रकार का कोई भ्रम नहीं है। भ्रम कहां है?

जब परमेश्वर से पूछा गया कि क्यों एससी/एसटी नेताओं की बैठक में बाधा डाली गई और क्या बैठक को लेकर वरिष्ठ नेताओं में विश्वास की कमी या फिर भ्रम की कोई स्थिति थी, तो उन्होंने कहा, इसे (बैठक को) विभिन्न कारणों से स्थगित कर दिया गया क्योंकि कांग्रेस महासचिव भी इसमें भाग लेना चाहते थे। विश्वास की कमी का सवाल कहां है? यह सब केवल मीडिया की देन है।

तमिलनाडु विधानसभा ने नए यूजीसी विनियम 2025 को वापस लेने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु विधानसभा ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए विनियम 2025 को तुरंत वापस लेने का आग्रह किया। विधानसभा ने यूजीसी विनियम 2025 को संविधान और संघवाद के मूल सिद्धांत के खिलाफ बताया।

भाजपा की सहयोगी पीएमके समेत सभी राजनीतिक दलों के समर्थन से पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि इससे तमिलनाडु की उच्च शिक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंच सकता है।

विपक्षी एआईएडीएमके ने भी प्रस्ताव पर द्रमुक और उसके सहयोगियों का समर्थन किया।

हालांकि, भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केवल मसौदा प्रस्ताव ही जारी किया गया है।

नागेंद्रन ने कहा, सुझाव और सिफारिशें देने के लिए पांच फरवरी तक का समय है। उन्होंने प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करने की बात कहते हुए अपनी पार्टी के विधायकों के साथ सदन से बहिर्गमन किया।

प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि यूजीसी विनियम 2025 का नया मसौदा (जिसे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने छह जनवरी को नई दिल्ली में जारी किया) कुलपतियों की नियुक्ति में राज्यपालों को सशक्त बनाता है, जिससे विश्वविद्यालय 'बर्बाद' हो जाएंगे।

मसौदा दिशानिर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के आधार पर तैयार किए गए हैं।

प्रस्ताव पर बोलते हुए स्टालिन ने कहा, हमें यह मजूर नहीं। राज्यपालों को मनमाने ढंग से कुलपतियों की नियुक्ति करने के लिए अधिक अधिकार देना सही नहीं है... ...इसे उन राज्यों के अधिकारों को हड़पने का प्रयास माना जाना चाहिए जिन्होंने अपने संसाधनों से विश्वविद्यालयों को बनाया है।

उन्होंने दावा किया कि यह कदम संविधान और संघवाद के मूल सिद्धांत के खिलाफ है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर देश में सबसे अधिक शैक्षणिक संस्थानों वाले तमिलनाडु की स्वायत्तता छीनी जाएगी तो वह शांत नहीं बैठेगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर केंद्र सरकार इस प्रस्ताव के बाद भी अपना विचार नहीं बदलती है तो सरकार अदालत का दरवाजा खटखटाएगी।

कांग्रेस विधायक, तीन अन्य पर पार्टी कार्यकर्ताओं को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज : पुलिस

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस विधायक आई.सी. बालाकृष्णन, वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एन.डी. अप्पाचन और दो अन्य के खिलाफ पार्टी की वायनाड इकाई के पदाधिकारी एन.एम. विजयन को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष विजयन और उनके बेटे की मौत के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा जोड़ी गई है।

अधिकारी ने यह भी पुष्टि की कि बालाकृष्णन, अप्पाचन और दो अन्य को मामले में आरोपी बनाया गया है जिनके नाम विजयन के सुसाइड नोट में थे।

अधिकारी ने कहा, विजयन के सुसाइड नोट के आधार पर कार्रवाई की गई है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अप्पाचन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि विजयन ने उन्हें कभी नहीं बताया कि क्या हो रहा है और अब उन्हें मामले में फंसाया जा रहा है क्योंकि सुसाइड नोट में उनका नाम है। उन्होंने कहा, मैंने कभी किसी से रुपए नहीं लिए। मेरे पास कोई ज्यादा संपत्ति नहीं है। मैंने ईमानदारी से जीवन यापन किया है। मैं कानूनी तौर पर मामले का सामना करूंगा। मेरे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

अप्पाचन ने यह भी कहा कि पार्टी विजयन के परिवार के साथ है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने कहा कि कानून अपना काम कर सकता है और पार्टी इसके खिलाफ नहीं है।

तिरुवनंतपुरम में संवाददाताओं से उन्होंने कहा, लेकिन, पार्टी भी आंतरिक जांच करेगी। यह हमारा अधिकार है। हमें यह जानना ही होगा कि वास्तव में क्या हुआ और क्या आरोप सही हैं। पार्टी की जांच के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

सतीशन ने कहा, इसका पुलिस जांच से कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और इसलिए कानून को अपना काम करने दें। हमने प्राथमिकी दर्ज किए जाने के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। उन्होंने दावा किया कि जब मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) में ऐसे मामले सामने आते हैं, तो केवल आंतरिक जांच की जाती है और कोई पुलिस जांच नहीं होती।

सतीशन ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से विजयन को जानते थे, लेकिन विजयन ने जिन बातों का जिक्र अपने सुसाइड नोट में किया, उस बारे में कभी उन्हें नहीं बताया। उन्होंने कहा, यहां तक कि केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रमुख के. सुधाकरन को भी इस बारे में जानकारी नहीं थी। अगर हमें पता होता तो हम तुरंत हस्तक्षेप करते।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पार्टी केवल विजयन के परिवार की मदद के बारे में सोच रही है।

इस बीच, माकपा ने दावा किया कि विजयन और उनके बेटे ने जिस परेशानी के कारण यह कदम उठाया, उसके बारे में कांग्रेस जानती थी।

अंतरिक्ष केवल खगोलशास्त्री होने के उत्साह के बारे में नहीं, बल्कि समय लेने वाला विज्ञान भी : इसरो प्रमुख

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान में केवल खगोलशास्त्री बनने का उत्साह शामिल नहीं है, बल्कि यह एक जटिल और समय लेने वाला विषय भी है, जिसमें वर्षों तक लगातार अध्ययन के जरिये धीमे-धीमे ही विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है।

अंतरिक्ष विभाग में सचिव सोमनाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इसरो के अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट 2025) कार्यक्रम के तीसरे संस्करण की शुरुआत के मौके पर दिए संबोधन में यह टिप्पणी की।

सोमनाथ ने बताया कि इस साल 560 से अधिक संस्थानों के 20,000 छात्रों ने 9 से 29 जनवरी तक आयोजित किए जाने वाले स्टार्ट कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड के रहस्य भले ही स्वाभाविक रूप से सबसे पहले ध्यान आकर्षित करते हैं, लेकिन अंतरिक्ष विज्ञान जटिल गणनाओं और सूत्रों पर माथापच्ची करने के बारे में अधिक है, जिसमें बेहतर सेंसर तैयार करना और उपग्रह व रॉकेट बनाना शामिल है।

सोमनाथ ने कहा, स्टार्ट कार्यक्रम में हम इन सभी के बारे में बात करेंगे। हम अपने रोमांचक अंतरिक्ष अभियानों पर चर्चा करेंगे। लेकिन हम आपको रॉकेट के निर्माण एवं प्रक्षेपण के तरीके और कक्षाओं तथा प्रक्षेप पथों के विज्ञान के बारे में भी थोड़ी जानकारी देंगे।

इसरो प्रमुख ने अंतरिक्ष विज्ञान के विशाल दायरे का हवाला देते हुए छात्रों को अपनी प्राथमिकताओं और रुचियों को समझने की सलाह दी, ताकि वे एक ऐसा क्षेत्र चुन सकें, जिसमें वे विशेषज्ञता हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इसके लिए आपको अपनी क्षमता को समझने और प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध विकल्पों पर थोड़ा और विचार करने की जरूरत है। वास्तव में एक महान अंतरिक्ष वैज्ञानिक या इंजीनियर बनने के लिए अच्छे संस्थानों को चुनना और उन संस्थानों में पढ़ने का लक्ष्य रखना बहुत अहम है।

सोमनाथ ने छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान की जटिल प्रकृति से न घबराने और जो भी पढ़ाया-सिखाया जाता है, उस पर खुले दिमाग से ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

सोमनाथ ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और 'मशीन लर्निंग' जैसी अत्याधुनिक तकनीक के साथ, जो अंतरिक्ष विज्ञान का दायरा बढ़ा रही हैं, भविष्य में चीजों के बहुत अलग होने की संभावना है। उन्होंने कहा, हम जिस तरह से काम कर रहे हैं, हो सकता है कि आप उससे अलग तरीके से काम करें।

सोमनाथ ने छात्रों से अतिरिक्त प्रयास करने का आग्रह करते हुए कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, संभव है कि भविष्य में आप एआई टूल पर आधारित रॉकेट डिजाइन करें। किसी दिन आप एक ऐसा सॉफ्टवेयर बना सकते हैं, जिससे आप कह सकते हैं, मेरे लिए एक रॉकेट डिजाइन करो। मैं केवल यही कामना कर रहा हूं कि आप भविष्य में ऐसी संभावनाएं पैदा करें।

कार्यक्रम में इसरो के पूर्व अध्यक्ष और एपेक्स साइंस बोर्ड इसरो के अध्यक्ष एएस किरण कुमार भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्टार्ट कार्यक्रम के पीछे का मकसद छात्रों को अंतरिक्ष के क्षेत्र में मौजूद अवसरों के बारे में जानने में सक्षम बनाना है।

विमोचन

06-बेंगसूरु में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को नारायण नेत्रालय अस्पताल में डायबिटीज नो मोर नामक पुस्तक का विमोचन किया।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने एसआई भर्ती परीक्षा में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 के मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश बृहस्पतिवार को दिया। इस मामले की अगली सुनवाई अब 10 फरवरी को होगी। इससे पहले, अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 पर राज्य सरकार की राय के बारे में जवाब अदालत में पेश किया। आरोपी अभ्यर्थियों और भर्ती हुए उपनिरीक्षकों के वकील वेदांत शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, आज सरकार ने अपना जवाब पेश किया। सरकार ने कहा कि चाहे महाधिवक्ता की राय हो या राज्य सरकार द्वारा गठित समिति की राय हो... अभी हम लोग इस निर्णय पर नहीं पहुंच पाए हैं कि परीक्षा पूरी तरह से रद्द करना है या नहीं करना है। सरकार ने कहा कि निर्णय प्रक्रियाधीन है और वह जल्दबाजी में परीक्षा रद्द नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा कि जहां तक परीक्षा पर यथास्थिति बनाए रखने के उच्च न्यायालय के 19 नवंबर 2024 के आदेश का सवाल है, अदालत ने स्पष्ट किया है कि पूरी भर्ती और प्रशिक्षण-पदस्थापन प्रक्रिया पर यथास्थिति बनाए रखनी होगी। उन्होंने कहा कि अदालत ने मामले में अपनी मदद के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता आर डी रस्तोगी को न्यायमित्र भी नियुक्त किया है।

परीक्षा रद्द करवाने की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं के वकील हरेंद्र नील ने कहा, सरकार ने अपने जवाब में स्पष्ट किया है कि अभी भर्ती रद्द नहीं की जा रही है, क्योंकि जांच चल रही है। जब जांच पूरी तरह से हो जाएगी, तब सरकार कोई निर्णय ले सकेगी। उन्होंने कहा कि अदालत ने कहा कि परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों की 'फील्ड ट्रेनिंग' और पदस्थापन पर रोक रहेगी।उल्लेखनीय है कि 859 एसआई पदों को भरने के लिए रिक्तियां घोषित की गई थीं। मामले में गड़बड़ी सामने आने पर 50 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों और राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के दो सदस्यों सहित कुल 150 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मुख्यालय और राज्य सरकार के महाधिवक्ता ने परीक्षा रद्द करने की सिफारिश की थी। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 रद्द करने या न करने का निर्णय लेने के लिए एक अक्टूबर 2024 को छह मंत्रियों की एक मंत्रिमंडलीय समिति बनाई गई थी। मामले की जांच राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान दल (एसओजी) द्वारा की जा रही है।

राज्यपाल की ओर से अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह पर चादर पेश की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की ओर से गुरुवार को अजमेर में गरीब नवाज ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चादर पेश की गयी। अजमेर दरगाह पहुंचने पर बागड़े की ओर से जियारत करके चादर चढ़ाई गयी। बागड़े के परिसहाय प्रवीण नायक और उप सचिव मुकेश कलाल ने चादर पेश की। सालाना उर्स के अवसर पर बागडे का संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। अपने संदेश में बागडे ने ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के अमन और मोहब्बत के पैगाम को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ख्वाजा साहब का उर्स विविधता में एकता की भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने भारत को संत-महात्माओं और पीर पैगम्बरों के जीवन मूल्यों से जुड़ी संस्कृति का बताते हुये उनके सद्भाव के विचारों के मुताबिक सभी को मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

राजस्थान में सर्दी जारी, कई इलाकों में बारिश का अनुमान

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और मौसम विभाग ने अगले दो दिन में कई जगह बारिश होने का अनुमान जताया है।

राज्य में बीते चौबीस घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान सीकर के फतेहपुर में तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा सीकर में न्यूनतम तापमान 4.0 डिग्री, करौली में 4.2 डिग्री, जालौर व संगरिया में 4.3 डिग्री, सिरोही में 4.4 डिग्री, चूरू और दौसा में 4.7 डिग्री और बारां जिले के अंता में न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस रहा। बुधवार की सुबह राज्य भर के लगभग सभी प्रमुख शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के बीकानेर, जयपुर तथा भरतपुर संभाग में अभी कहीं कहीं शीतलहर व शीत दिवस दर्ज होने की संभावना है। एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 10-12 जनवरी के दौरान बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के क्षेत्रों में बादलों की गरज के साथ बारिश हो सकती है।

जीएसटी की सबसे बड़ी मार मध्यम एवं गरीब तबके पर पड़ी : पवन खेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा नीत सरकार द्वारा लागू किए गए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की सबसे अधिक मार देश के मध्यम एवं गरीब तबके पर पड़ी है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जीएसटी अब 'गब्बर सीतारमण टैक्स' का पर्याय बन गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार 'एक राष्ट्र-एक कर' की बात करती है लेकिन एक 'पॉपकॉर्न' पर ही कर के तीन 'स्लैब' हैं।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख खेड़ा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप देश भर में किसी भी दुकानदार या ग्राहक से बात करें... वे जीएसटी से परेशान हैं। मध्यम वर्ग को, छोटे व्यापारी को, गरीब तबके को सबसे ज्यादा चोट इस जीएसटी से पहुंची है। उन्होंने कहा,जीएसटी की ज्यादा मार मध्यम वर्ग पर, छोटे व्यापारियों पर, मुझ पर, आप पर और हम सब पर पड़ रही है। वह संसद में बजट सत्र से पहले इस मुद्दे को उठाने के लिए कांग्रेस की पहल के तहत यहां आए थे। उन्होंने कहा, जीएसटी 'गब्बर सीतारमण टैक्स' है। इसकी वजह से हर किसी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस कर प्रणाली से चीजें सरल होनी चाहिए थीं लेकिन ठीक इसके उलटा हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश में जीएसटी लागू हुए 90 महीने हो गए हैं और इस दौरान औसतन हर रोज कर से जुड़ा एक नया परिपत्र जारी कर चीजों को स्पष्ट किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि 2021-22 में कुल जीएसटी का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा देश की 50 प्रतिशत आबादी से आया जबकि उसका केवल 10 प्रतिशत हिस्सा तीन प्रतिशत बड़े या अमीर लोगों से आया।

खेड़ा का कहना था कि कुल नौ जीएसटी 'स्लैब' हैं और यह पहली बार है कि किसानों के उपकरण एवं ट्रैक्टर जीएसटी के दायरे में आए हैं। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा है, कांग्रेस के अलावा कोई राजनीतिक दल मध्यम वर्ग के लिए आवाज नहीं उठाता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मध्यम वर्ग के ऊपर इस तरह की बेतहाशा चोट के खिलाफ पूरे देश में आवाज उठाएगी और उठा रही है।

खेड़ा ने कहा, इस बजट सत्र से पहले हम जानबूझकर इस मुद्दे को और ज्यादा बढ़ा रहे हैं ताकि बजट सत्र में पूरी संसद का ध्यान इसकी तरफ जाए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने केंद्र सरकार को 'डरपोकों एवं कायरों की सरकार' भी करार दिया।

समाज के सक्रिय सहयोग से इस बार होगा हरित कुंभ : डॉ अग्रवाल

जयपुर। राजस्थान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्रीय संघ चालक डॉ रमेश अग्रवाल ने कहा है कि प्रयागराज का कुंभ हरित कुंभ होने जा रहा है, समाज के सहयोग से ही यह ऐतिहासिक कार्य होने जा रहा है।

डॉ अग्रवाल गुरुवार को मुरलीपुरा स्कीम सर्किल पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि एवं अपना संस्थान जयपुर प्रांत की ओर से समाज से एकत्र 40 हजार थाली, 40 हजार गिलास और 40 थैलों से भरे ट्रक को रवाना करते समय बोल रहे थे।

उन्होंने आह्वान किया कि जो भी लोग कुंभ में जाना चाहते हैं वे कृपया अपने साथ एक थाली, गिलास और थैला अवश्य लेकर जाएं। भोजन के दौरान इन्हीं का उपयोग करें। डिस्पोजल थाली और गिलास का उपयोग नहीं करें। ऐसा करके हम करोड़ों टन कचरा एकत्र होने से बचा सकेंगे और विश्व को हम इस छोटे से कार्य से एक अच्छा संदेश दे सकेंगे।

यमुना जल समझौते से क्षेत्र को शुद्ध पेयजल के साथ-साथ सिंचाई का जल भी प्राप्त होगा : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने गुरुवार को सीकर जिले के श्रीमाधोपुर में जोरावर नगर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाह भवानी सिंह शेखावत द्वारा अपनी धर्मपत्नी स्व.कमलेश कंवर की स्मृति में निर्मित ड्डटिन शेड का लोकार्पण किया। समारोह में वीरांगना श्रीमती कविता समोता का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम में खर्रा ने कहा कि अध्यापक कठिन परिश्रम एवं अनुशासन से विद्यार्थियों को शिक्षित एवं संस्कारवान बनाएं, साथ ही अभिभावक भी अपने बच्चों पर निगरानी रखते हुए उन्हें सभ्य नागरिक बनाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से यमुना जल समझौता एवं कुंभाराम लिफ्ट योजना की डीपीआर तैयार हो चुकी है। यमुना जल समझौते के तहत हनुमानगढ़ में रिजर्वोयर निर्मित किया जाएगा तथा हरियाणा के हथिनी कुंड से तीन भूमिगत पाइप लाइनों के माध्यम से क्षेत्र को शुद्ध पेयजल के साथ-साथ सिंचाई का जल भी प्राप्त होगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सड़कों के पेचवर्क एवं मरम्मत का कार्य जल्द ही किया जाएगा।

कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के विशेषाधिकारी सतीश गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी विद्यालयों के कायाकल्प का कार्य लगातार कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने वीर बाल दिवस मनाने का संकल्प लिया है। साथ ही शिक्षा विभाग एवं पंचायती राज विभाग के माध्यम से राज्य में बड़े स्तर पर पौधारोपण किया गया है। उन्होंने कहा कि जोरावर नगर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नियमानुसार नामांकन होने पर गणित संकाय स्वीकृत करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में भामाशाह भवानी सिंह शेखावत, जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने किया राजस्थान हॉसिपटल का भ्रमण, बेस्ट प्रेक्टिसेज का किया अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देशप्रदेश के नामी अस्पतालों की बेस्ट प्रैक्टिसेज का अध्ययन करने की श्रंखला में चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के दल ने गुरूवार को जयपुर में राजस्थान अस्पताल का भ्रमण किया। शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा के नेतृत्व में गए अधिकारियों के दल ने राजस्थान अस्पताल में बेस्ट प्रेक्टिसेज और प्रबंधकीय व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकारी अस्पतालों में भी ड्डनामी निजी अस्पतालों की तरह प्रबंधकीय व्यवस्थाएं और सुदृढ़ हों ताकि आमजन को उपचार में कठिनाई नहीं हो। इसी दिशा में निजी अस्पतालों का चरणबद्ध रूप से भ्रमण किया जा रहा है। बुधवार को संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल के भ्रमण के दौरान भी कई बेस्ट प्रैक्टिसेज जानने का अवसर मिला। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि दुनिया के नामी विशेषज्ञ चिकित्सक, प्रशिक्षित स्टाफ एवं मजबूत आधारभूत ढांचे के साथसाथ राजकीय चिकित्सा संस्थानों में प्रबंधन को मजबूत किया जाएगा। प्रबंधकीय बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोफेशनल्स को भी जोड़ा जायेगा। मुख्यमंत्री जी के निर्देशों पर वित्त विभाग द्वारा अस्पताल प्रबंधन के पद स्वीकृत भी किये गये हैं। राजस्थान अस्पताल के भ्रमण के दौरान अस्पताल के वाइस प्रेजिडेंट एवं सीईओ डॉ. सर्वेश अग्रवाल ने विस्तृत प्रजेंटेशन दिया जिसमें उन्होंने राजस्थान अस्पताल के ओपीडी, आईपीडी, आईसीयू, अस्पताल की डिजिटल डेटा शेयरिंग, रेकार्ड एवं हैंडलिंग प्रणाली, हार्ट सेन्टर संबंध में अवगत करवाया।

मध्य प्रदेश के जेईई अभ्यर्थी ने राजस्थान के कोटा में फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी कर रहे 20 वर्षीय एक युवक ने कथित तौर पर अपने कमरे में आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के गुना निवासी अभिषेक के रूप में हुई है, जो पिछले साल मई से कोटा के एक कोचिंग संस्थान में जेईई की तैयारी कर रहा था। यह प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के केंद्र कोटा में 24 घंटे के भीतर छात्र द्वारा आत्महत्या का दूसरा मामला है। इससे पहले, राजस्थान में कोटा जिले के जवाहर नगर थाना क्षेत्र में 'आईआईटी-जेईई (इंजीनियरिंग संयुक्त प्रवेश परीक्षा)' की तैयारी कर रहे हरियाणा के 19 वर्षीय छात्र नीरज ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। विज्ञान नगर थाना प्रभारी मुकेश मीना ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मध्य प्रदेश के गुना निवासी अभिषेक (20) ने अपने पीजी स्थित कमरे में कथित तौर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

युवा अपने को और बेहतर बनाने की कोशिश हमेशा जारी रखें : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हम सभी को अपने आप को और बेहतर बनाने की कोशिश हमेशा जारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा अपने पर पूरा भरोसा रखें। वे अपने ज्ञान से हर मुश्किल को आसान बना सकते हैं। कर्नल राठौड़ गुरूवार को एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के तहत नई दिल्ली जा रहे युवाओं के दल से संवाद कर रहे थे। यह दल 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगा। दल में कुल 71 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनका चयन विभिन्न प्रतियोगिताओं के आधार पर किया गया है। ये युवा राष्ट्रीय स्तर पर लोक नृत्य, लोक गायन, कविता पाठ, कहानी लेखन, भाषण और चित्रकला आदि कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। कर्नल राठौड़ ने इस दल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

युवा मामले एवं खेल मंत्री ने इन युवाओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के एम्बेसडर्स की भूमिका में होंगे। आपके प्रदर्शन और व्यवहार के जरिए लोग राजस्थान का आंकलन करेंगे। साथ ही, आपके प्रदर्शन से प्रदेश का मान-सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आपको पूरी क्षमता से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना है। हार या जीत मायने नहीं रखती, लेकिन जो भी हमने सीखा है उसका श्रेष्ठ प्रदर्शन होना चाहिए। कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की छवि प्रधानमंत्री द्वारा बताई गई रिस्पॉंसिबल, रिलायबल और राइजिंग राजस्थान की बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कई लोग अभावों में भी खुश रहते हैं। हमें जीवन में खुशी की तलाश करनी चाहिए। युवा मामले एवं खेल मंत्री ने कहा कि युवाओं का राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में आना व्यर्थ नहीं जाएगा, बल्कि यहां से अर्जित ज्ञान से वे अपने आप को बेहतर बना पाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव की 'बीकानेर हेरिटेज वॉक' के साथ होगी शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव की शुरुआत शुक्रवार को 'बीकानेर हेरिटेज वॉक' से होगी। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने गुरुवार को बताया कि जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले ऊंट उत्सव की शुरुआत शुक्रवार प्रातः आठ बजे हैरिटेज वॉक से होगी। हैरिटेज वॉक लक्ष्मीनाथ मंदिर से शुरू होगा। यहां लोक कलाकार पवन व्यास द्वारा दो हजार 25 फुट लंबी पगड़ी बांधकर विश्व रिकॉर्ड बनाने का दावा किया जायेगा। इसके लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड की टीम बीकानेर पहुंचेगी।

उन्होंने बताया कि यहां नगाड़ा, मश्क, चंग और बांसुरी वादन एवं भजन गायन की प्रस्तुतियां दी जायेंगी। वहीं देशी और विदेशी सैलानी मथेरण, बंधेज, पोट्री, सुनहरी कलम और साफा बांधने की कला से रूबरू हो सकेंगे। इस दौरान लोक कलाकार, रोबीले और सजे-धजे ऊंट भी साथ रहेंगे। भांडाशाह जैन मंदिर के पास हरियाणवी रागड़ी की प्रस्तुति दी जायेगी। श्रीमती वृष्णि ने बताया कि हैरिटेज वॉक का काफिला यहां से चूड़ी बाजार की ओर बढ़ेगा। यहां लाख की चूड़ी बनाने की कला को दर्शाया जाएगा। सब्जी बाजार की ऐतिहासिक चौकी पर शहर की ऐतिहासिक रम्मत का प्रदर्शन किया जायेगा। यहां भुजिया, घेवर और जलेबी बनाने का लाइव प्रदर्शन किया जायेगा और वॉक के प्रतिभागी इनके स्वाद का लुत्फ भी उठायेंगे। यहीं जूती बनाने की कला का प्रदर्शन भी किया जायेगा। यहीं भपंग वादन का प्रदर्शन भी किया जायेगा। यहीं लोक कलाकारों द्वारा गणगौर के गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी और कठपुतली के खेल के माध्यम से विभिन्न संदेश दिये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि वॉक का समापन 10 बजे रामपुरिया हवेलियों के पास होगा, यहां उस्ता कला, हवेली संगीत और कच्छी घोड़ी का प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को ही सूरसागर पर पूर्वाह्न 10 बजे मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात दोपहर एक बजे धरणीधर मैदान में हैण्डीक्राफ्ट और फूड फेस्टिवल और सायं सात बजे यहीं सांस्कृतिक संध्या आयोजित होगी। यहां प्रसिद्ध गायक प्रकाश माली द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा।

श्रीमती वृष्णि ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दूसरे दिन राष्ट्रीय ऊष्ट्र अनुसंधान केन्द्र में सुबह नौ बजे से ऊंटों से संबंधित विभिन्न प्रतियोगितायें होंगी। इस दिन अपराह्न साढ़े तीन बजे जूनागढ़ से डॉ करणी सिंह स्टेडियम तक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी और साढ़े चार बजे बजे डॉ करणी सिंह स्टेडियम में मिस मरवण, मिस्टर बीकाणा और ढोला-मरवण प्रतियोगिता होगी। सायं सात बजे स्टेडियम में फॉक नाइट आयोजित की जायेगी।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव के तीसरे दिन के सभी कार्यक्रम रायसर में होंगे। सुबह नौ बजे ग्रामीण खेलों का आयोजन और दोपहर डेढ़ बजे विभिन्न रोमांचक गतिविधियां आयोजित की जायेंगी।

विश्व प्रसिद्ध पतंगबाज असगर खां जोधपुर द्वारा रायसर में पतंगों की प्रदर्शनी लगाई जायेगी एवं विभिन्न प्रकार की देशी विदेशी पतंगें उड़ाने का प्रदर्शन आकर्षण का केन्द्र रहेगा। इसके पश्चात सांय छह बजे फॉक नाइट और अग्नि नृत्य का प्रदर्शन किया जायेगा। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज इलाहाबाद और पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के लोक कलाकारों द्वारा तीसरे दिन संध्या कार्यक्रम में प्रस्तुतियां दी जायेंगी।

ओडिशा : प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में चार प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को 18वें प्रवासी भारतीय दिवस 2025 सम्मेलन में चार प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया। इन प्रदर्शनियों में भारत की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और प्रवासी भारतीयों के योगदान को प्रदर्शित किया गया।

'विश्वरूप राम' नामक पहली प्रदर्शनी में रामायण की सार्वभौमिक विरासत पर प्रकाश डाला गया, जिसमें पारंपरिक और समकालीन कला रूपों के मिश्रण के माध्यम से कालातीत महाकाव्य को प्रस्तुत किया गया और संस्कृतियों में इसकी प्रासंगिकता पर जोर दिया गया। दूसरी प्रदर्शनी में भारतीय प्रवासियों के प्रौद्योगिकी में योगदान और विकसित भारत के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया। तीसरी प्रदर्शनी में भारतीय प्रवासियों के प्रसार और विकास को रेखांकित किया गया, जिसमें गुजरात के मांडवी से ओमान के मस्कट तक के प्रवास पर विशेष ध्यान दिया गया। चौथी प्रदर्शनी में ओडिशा की विरासत और संस्कृति पर प्रकाश डाला गया, जिसमें राज्य की समृद्ध परंपराओं, कला और शिल्प की झलक दिखाई गई और इसकी सांस्कृतिक विरासत पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री ने विभिन्न मंत्रालयों और ओडिशा, महाराष्ट्र, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, गुजरात आदि के प्रचार स्टाल का भी दौरा किया।

जयशंकर ने भारत के 'वैश्विक श्रमबल' बनाने के प्रयासों में प्रवासी समुदाय के महत्व पर जोर दिया

भुवनेश्वर/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत द्वारा 'वैश्विक श्रमबल' बनाए जाने के प्रयासों में प्रवासी समुदाय के महत्व पर जोर दिया। यहां प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन में भारत वंशियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि वे इस बात को लेकर आश्वस्त हो सकते हैं कि विदेश में मुश्किल समय में नरेन्द्र मोदी सरकार ''उनकी मदद के लिए तैयार है''। उन्होंने कहा, हमें अपने प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों पर गर्व है।

जयशंकर ने कहा, वैश्वीकरण के दौर में, हर गुजरते साल के साथ प्रवासी समुदाय का महत्व बढ़ता जा रहा है, चाहे प्रौद्योगिकी हो, सर्वोत्तम कार्यप्रणाली हो या संसाधन, चाहे पर्यटन हो, व्यापार हो या निवेश, दोनों तरफ से प्रयास जरूरी है क्योंकि हम वैश्विक श्रमबल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के जन-केंद्रित बदलावों से प्रवासी भारतीयों को भी लाभ मिल रहा है। विदेश मंत्री ने कहा, ये कारोबार सुगमता को बढ़ावा दे सकते हैं, जीवन जीना आसान बना सकते हैं, संपर्क और यात्रा को सुविधाजनक बना सकते हैं।

प्रवासी भारतीयों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग भी स्पष्ट है। उन्होंने कहा, पिछले दशक में, हमने पासपोर्ट जारी करने और नवीनीकरण के साथ-साथ सत्यापन प्रक्रिया का सरलीकरण देखा। वाणिज्य दूतावास सेवाओं में सुधार हुआ, कल्याणकारी उपायों में वृद्धि हुई है और शिकायत निवारण मंच प्रभावी हुए हैं। दुनियाभर में दूतावास और वाणिज्य दूतावास अधिक उत्तरदायी हुए हैं। मुश्किल समय में, आप आश्वस्त हो सकते हैं कि मोदी सरकार आपके साथ है।

प्रवासी भारतीय दिवसः अनिवासी भारतीयों ने ओडिशा के आतिथ्य और संस्कृति को सराहा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के जनता मैदान में आयोजित 18वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) में भाग लेने के लिए दुनिया भर से आए सैकड़ों अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) ने इस दौरान किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत और तैयारियों की सराहना की। स्लोवेनिया में 50 वर्षों से रह रहीं एनआरआई कोकी वेबर ने इस आयोजन में भाग लेने पर खुशी व्यक्त की। कोकी 'नमस्ते' नामक एक स्टोर चलाती हैं, जो भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा, मैं चमड़े की वस्तुओं, रेशमी स्कार्फ, अगरबत्ती और अंतर्वस्त्रों जैसी भारतीय हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध हूं- ये सभी भारत में बने होते हैं।

वेबर ने ओडिशा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह भारत का एक छिपा हुआ रत्न और सुंदर राज्य है। उन्होंने कहा, यह ओडिशा की मेरी पहली यात्रा है और मैं इसके आकर्षण से चकित हूं। यह वास्तव में भारत का एक रत्न है। कनाडा से आए एनआरआई पुनीत मनचंदा ने भी विदेश मंत्रालय द्वारा इस कार्यक्रम में आमंत्रित किए जाने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह ओडिशा की मेरी पहली यात्रा है और मैं एक विशेष जुड़ाव महसूस कर रहा हूं क्योंकि मेरे भाई ने राउरकेला से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की है। मैं राज्य में आनंद ले रहा हूं, खासकर इसकी संस्कृति और स्वादिष्ट भोजन का।

शिवराज ने असम के लोगों से कहा, प्रधानमंत्री के 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के दृष्टिकोण का समर्थन करें

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को असम के लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के दृष्टिकोण का समर्थन करने की अपील की ताकि पांच साल तक निर्बाध रूप से देश की सेवा की जा सके। चौहान ने लोगों को कृषि उपकरण और 50,000 से अधिक मकान सौंपे जाने के लिए आयोजित एक आधिकारिक कार्यक्रम में कहा कि देश में लगातार चुनाव होते रहते हैं जिससे विकास कार्य बाधित होते हैं। उन्होंने कहा, हमारे देश में एक बड़ा मुद्दा है। कुछ हो या न हो, चुनाव पूरे पांच साल में 365 दिन होते रहते हैं। एक के बाद एक राज्य में चुनाव होते रहते हैं, लोकसभा के बाद विधानसभा चुनाव होते रहते हैं।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की भलाई के लिए संकल्प लिया है कि लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव एक साथ होने चाहिए ताकि राष्ट्र की पांच साल तक निर्बाध सेवा की जा सके। उन्होंने कहा, पैसे की बर्बादी नहीं होनी चाहिए और नेताओं को भी लोगों के लिए काम करते रहने में सक्षम होना चाहिए, इसलिए मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि प्रधानमंत्री के 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के दृष्टिकोण का समर्थन करें। आइए, हम सभी इस विचार का समर्थन करने का संकल्प लें।

बीपीएससी परीक्षा विवाद के सिलसिले में चिराग ने कहाः बातचीत का द्वार हमेशा खुला रहना चाहिए

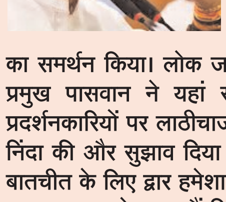

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की हाल में आयोजित परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख पासवान ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की हालिया घटनाओं की भी निंदा की और सुझाव दिया कि नीतीश कुमार सरकार को बातचीत के लिए द्वार हमेशा 'खुला' रखना चाहिए।

पासवान ने कहा, मैं विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज के पक्ष में बिल्कुल नहीं हूं... विद्यार्थी जो भी कहें, उसे गंभीरता से सुना जाना चाहिए...उनकी वास्तविक मांगों को स्वीकार किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों के लिए बातचीत का द्वार हमेशा खुला रहना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी उस समय की जब राज्य की राजधानी पटना में विरोध प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थी आयोग की 13 दिसंबर की परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की मांग कर रहे हैं। बीपीएससी 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के कारण विवादों में घिर गई है। हालांकि सरकार ने आरोपों का खंडन किया है, लेकिन पटना के एक केंद्र पर परीक्षा में शामिल हुए 12,000 से अधिक उम्मीदवारों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित कराई गई है।

'लोगों को तय करना है, उन्हें मुफ्त की चीजें चाहिए या बेहतर सुविधाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। अर्थशास्त्री और 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोगों को यह तय करना है कि उन्हें मुफ्त की चीजें चाहिए या फिर वे बेहतर सड़कें, अच्छी जल निकासी व्यवस्था और बेहतर जलापूर्ति की सुविधा चाहते हैं। उन्होंने यहां आयोग के प्रतिनिधिमंडल और गोवा के शीर्ष मंत्रियों और अधिकारियों के बीच एक बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। राज्यों के बुनियादी ढांचे के लिए आवंटित धन का कथित तौर पर मुफ्त चीजें बांटने के लिए उपयोग किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर, पनगढ़िया ने कहा कि यदि पैसा परियोजनाओं के लिए दिया गया है, तो

इसका उपयोग उन कार्यों के लिए ही किया जाना चाहिए। हालांकि, लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार ही अंतिम निर्णय करती है। उन्होंने कहा, निर्णय वित्त आयोग नहीं करता है। वित्त आयोग वृहद आर्थिक स्थिरता के हित में इस मुद्दे को उठा सकता है।

आयोग सामान्य स्तर पर कुछ कह सकता है लेकिन यह नियंत्रित नहीं कर सकता कि राज्य राशि कैसे खर्च करें। पनगढ़िया ने कहा कि जिम्मेदारी अंततः नागरिकों पर है, क्योंकि वे सरकारें चुनते हैं। उन्होंने कहा, अगर नागरिक मुफ्त सुविधाओं पर आधारित सरकार के लिए वोट करते हैं, तो वे मुफ्त चीजें मांगेंगे। अंततः, नागरिकों को यह तय करना चाहिए कि वे क्या चाहते हैं। क्या वे बेहतर सुविधाएं, बेहतर सड़कें, बेहतर जल निकासी सुविधा, बेहतर पानी चाहते हैं या फिर मुफ्त की चीजें चाहते हैं जिसमें आपके बैंक खातों में राशि का अंतरण भी शामिल है।

बिहार कांग्रेस प्रमुख ने 'इंडि' गठबंधन को लेकर तेजस्वी के बयान का बचाव किया

पटना/भाषा। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव की उस टिप्पणी का बृहस्पतिवार को बचाव किया जिसमें कहा गया था कि 'इंडि' गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। सिंह ने कहा कि यादव ने यह टिप्पणी दिल्ली विधानसभा चुनाव के संदर्भ में की थी जहां 'इंडि' गठबंधन के घटक कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसमें कुछ भी असामान्य नहीं हैं, क्योंकि दोनों दलों ने पंजाब में लोकसभा चुनाव भी अलग अलग लड़ा था। पंजाब में भी 'आप' की सरकार है।

राज्यसभा सदस्य ने कहा, बिहार में हमारे गठबंधन को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए, जहां कांग्रेस और राजद लंबे समय से साथ हैं। यादव ने हाल में बक्सर जिले में संवाददाताओं से कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस और 'आप' के विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ने में कुछ भी असामान्य नहीं है, क्योंकि यह दोनों दल केवल लोकसभा चुनाव के लिए साथ आए थे। उन्होंने यह भी कहा कि राजद ने अबतक यह तय नहीं किया है कि वह पांच फरवरी को होने वाला दिल्ली विधानसभा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ेगी या नहीं, लेकिन बिहार में तस्वीर साफ है जहां हम लंबे समय से साथ हैं। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

भारत की जीएसटी दुनिया की सबसे 'खराब' कर प्रणालीः कांग्रेस

अहमदाबाद/भाषा। विपक्षी कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को भारत की माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को दुनिया की इस तरह की सबसे 'खराब' व्यवस्था बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार केवल तर्कसंगत बनाने की आड़ में नए शुल्क लगाने में रुचि रखती है। कांग्रेस के प्रवक्ता रंगराजन मोहन कुमारमंगलम ने यहां कहा कि देश उस स्थिति पर पहुंच गया है जहां मध्यम वर्ग सरकार के कर राजस्व को सहारा दे रहा है क्योंकि कॉर्पोरेट व्यवसाय में मंदी के कारण अधिक कर राजस्व का भुगतान नहीं कर रहे हैं। मौजूदा प्रणाली को कर आतंकवाद बताते हुए कांग्रेस नेता ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोषपूर्ण जीएसटी प्रणाली को सुधारेंगे। उन्होंने कहा, हमारे पास एक ऐसी सरकार है जिसने पूरी दुनिया में सबसे खराब जीएसटी व्यवस्था बनाई है। करीब 50 देशों में जीएसटी जैसी कर संग्रह व्यवस्था है, लेकिन किसी में भी ऐसी जटिलताएं नहीं हैं जो हमारी जीएसटी व्यवस्था में हैं। कांग्रेस नेता ने प्रेस वार्ता में कहा, अभी पिछले महीने ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तीन अलग-अलग प्रकार के पॉपकॉर्न पर तीन अलग-अलग कर लगाकर जीएसटी को और भी जटिल बनाने की कोशिश की।

अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ के लिए तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उत्तर प्रदेश)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। यह समारोह 11 से 13 जनवरी तक आयोजित होगा जिसमें आम लोगों को भी शामिल किया जाएगा, जो पिछले साल ऐतिहासिक समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे।

मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, करीब 110 आमंत्रित वीआईपी भी इसमें शामिल होंगे। अंगद टीला स्थल पर एक जर्मन हैंगर टेंट लगाया गया है, जिसमें 5,000 लोगों तक की मेजबानी की जा सकती है। आम लोगों को भव्य कार्यक्रमों को देखने का अवसर मिलेगा, जिसमें मंडप और यज्ञशाला में प्रतिदिन आयोजित होने वाले शास्त्रीय सांस्कृतिक प्रदर्शन, अनुष्ठान और राम कथा प्रवचन शामिल हैं।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, ट्रस्ट ने आम लोगों को आमंत्रित करने का फैसला किया है जो पिछले साल अभिषेक समारोह में शामिल नहीं हो सके थे। उन्हें अंगद टीला में तीनों दिनों के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। ट्रस्ट ने कहा कि 110 वीआईपी सहित मेहमानों को निमंत्रण पत्र वितरित किए गए हैं। इनमें से कई लोग 22 जनवरी, 2024 को मूल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे।

शेफाली वर्मा निश्चित तौर पर टीम की योजना में शामिल हैः मंधाना

राजकोट/भाषा। भारतीय महिला टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल खराब प्रदर्शन के कारण बाहर की गईं सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा निश्चित रूप से टीम की योजना में बनी हुई हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिए जाने के कारण मंधाना आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी इस श्रृंखला के लिए हरमनप्रीत के साथ तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को भी आराम दिया गया है।

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाली शेफाली को दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। मंधाना ने आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हरमनप्रीत को आराम दिया गया है। शेफाली पिछली दो या तीन एकदिवसीय श्रृंखलाओं में टीम का हिस्सा नहीं है। उनकी गैरमौजूदगी में प्रतिका (रावल) ने पिछली श्रृंखला में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। शेफाली ने इस दौरान घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाए है और वह निश्चित रूप राष्ट्रीय टीम की योजना में शामिल है। मंधाना ने कहा, मैं खुश हूं कि उसने घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाए। मंधाना ने अपने पास उपलब्ध संसाधनों के साथ टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जतायी। उन्होंने कहा, हमें एक टीम के रूप में हमारे पास जो नहीं है उसके बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। हम सकारात्मक मानसिकता रखना चाहते हैं कि हमारे पास वास्तव में एक संतुलित टीम है।

सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह पर कहा, मुझे लगता है कि वह अगले कप्तान होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। जसप्रीत बुमराह की टीम की नेतृत्व क्षमता से प्रभावित पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अनुमान लगाया कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) में शानदार प्रदर्शन करने वाला यह तेज गेंदबाज रोहित शर्मा के बाद भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करेगा।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों में 32 विकेट लिए। यह ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। बुमराह की कप्तान में टीम ने पर्थ में खेले गए इस श्रृंखला के शुरुआती मैच में जीत

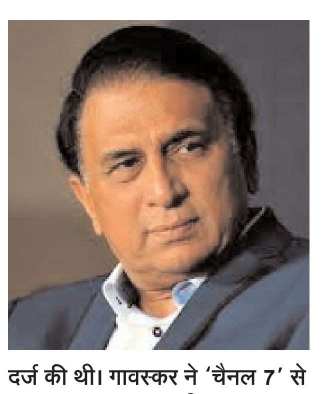

दर्ज की थी। गावस्कर ने 'चैनल 7' से कहा, वह (बुमराह) टीम का अगला कप्तान हो सकता है। वह जिम्मेदारी के साथ टीम का बढ़कर नेतृत्व करता है, उसकी छवि बहुत अच्छी है। उसमें कप्तान के गुण है और वह ऐसा व्यक्ति नहीं है तो आप पर अनावश्यक रूप से दबाव बनाए। इस पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा, कभी-कभी आपके पास ऐसे कप्तान होते हैं जो आप पर बहुत दबाव डालते हैं। बुमराह को देखकर लगता है कि वह दूसरों से अपेक्षा करते हैं कि वे वही करें जो उनका काम है। वह जिस काम के लिए राष्ट्रीय टीम में है वह काम करें लेकिन इसके लिए किसी पर दबाव नहीं डालते है।

बुमराह पिछले कुछ वर्षों से भारतीय तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं उनके मार्गदर्शन ने मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों को एक तेज गेंदबाज के रूप में विकसित होने में मदद की है। उन्होंने कहा, वह मिड-ऑफ, मिड-ऑन पर खड़े रहते है और तेज गेंदबाजों के लिए उनकी मौजूदगी फायदेमंद रहती है। वह गेंदबाजों से अपने विचार साझा करने के लिए तैयार रहते है। मुझे लगता है कि वह बिल्कुल शानदार थे और अपनी भूमिका बहुत अच्छी भूमिका निभाते हैं। अगर वह कप्तान बने तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

सिडनी क्रिकेट मैदान पर खेले गए अंतिम टेस्ट ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के बीच में चोटिल होने से पहले बुमराह ने 13.06 औसत और 28.37 की शानदार स्ट्राइक रेट से अपने विकेट निकाले थे। इस मैच में कप्तानी कर रहे बुमराह की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 162 रन के लक्ष्य को ज्यादा परेशानी के बिना हासिल कर लिया।

सुविचार

सामान्य आदमी झोला भरकर धर्म की बातें करता है किन्तु खुद के व्यवहार में एक दाना बराबर नहीं लाता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कितने हादसे और?

तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मचने से कुछ श्रद्धालुओं की मौत होने और कई श्रद्धालुओं के घायल होने की घटना अत्यंत दु:खद है। हमने पूर्व में हुईं उन घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया, जिनमें भगदड़ के कारण लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। भारत में सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक या किसी अन्य उद्देश्य से लोगों को इकट्ठा करना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। मुश्किल है- भीड़ को नियंत्रित करना। इसके लिए आयोजकों और प्रशासन की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। साथ ही लोगों को अपने स्तर पर अनुशासन का पालन करना चाहिए। पिछले साल जुलाई में उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुए 'सत्संग' में मची भगदड़ के कारण 121 लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम 150 लोग घायल हो गए थे। हर साल किसी मेले, खास तिथि और त्योहार आदि के मौके पर ऐसी घटना जरूर होती है, जो कुछ परिवारों को जीवनभर का दर्द देकर जाती है। इससे संबंधित खबरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया कुछ ऐसे प्रकाशित करता है कि भारत में भीड़ प्रबंधन में ढेरों खामियां और अव्यवस्थाएं हैं। क्या हम इन हादसों को टाल नहीं सकते? अभी पूरी तरह टालने के बजाय इनकी तादाद कम कर लें, तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भगदड़ जैसे हादसों के बाद लोगों में आक्रोश होता है, जो स्वाभाविक है। वे सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हैं। हादसे के कारणों को लेकर खूब चर्चा होती है। सरकार मुआवजे की घोषणा कर देती है, करनी भी चाहिए। उसके बाद किसी अन्य विषय पर चर्चा शुरू हो जाती है।

क्या एक हादसा इस बात के लिए काफी नहीं कि समस्या की जड़ तक पहुंचा जाए, चीजों को ठीक किया जाए और भविष्य में किसी अन्य हादसे को टालने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाएं? प्राय: बड़े हादसे के बाद कुछ दिनों के लिए प्रशासन बहुत सतर्क रहता है। फिर धीरे-धीरे सबकुछ पुराने ढर्रे पर लौट आता है। दुर्भाग्य की बात है कि अगर किसी जगह भगदड़ में एक-दो लोगों की जान जाती है तो उसे गंभीरता से नहीं लिया जाता! वह व्यक्ति भी अपने परिवार के लिए महत्त्वपूर्ण था। उसकी भरपाई कोई मुआवजा नहीं कर सकता। अगर हादसे से एक व्यक्ति भी पीड़ित होता है तो पूरे मामले को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए, ताकि भविष्य में अन्य लोग सुरक्षित रहें। भीड़ नियंत्रण के लिए दो बिंदुओं की ओर खास ध्यान देना होगा। किसी महत्त्वपूर्ण आयोजन आदि के लिए जिस जगह पर लोग इकट्ठे होने वाले हैं, वहां तकनीक की मदद से जनसंख्या पहले ही निर्धारित कर ली जाए। उदाहरण के लिए, अगर किसी जगह पर एक दिन में 1,000 लोगों के इकट्ठे होने की ही क्षमता है, तो वहां नौजवानों के प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण जैसे नियम लागू किए जा सकते हैं। उनके मोबाइल फोन पर अनुमति पत्र भेजा जा सकता है, जिसे वे प्रवेश के दौरान दिखाकर आगे बढ़ सकते हैं। बुजुर्गों को इन नियमों से कुछ छूट दी जा सकती है। इससे पूरी व्यवस्था बहुत आसान हो सकती है। इसके साथ ही नागरिकों, खासकर स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाए कि भगदड़ मचाए बिना भी काम बहुत सुंदर ढंग से हो सकते हैं। स्कूल में छुट्टी की घंटी बजने वाली हो, सिनेमा में फिल्म के आखिरी दो मिनट बचे हों, बस/ट्रेन अपने गंतव्य पर जाकर रुक गई हो ... कई लोग बाहर निकलने के लिए बहुत ज्यादा जल्दबाजी करते हैं। इस तरह वे अपने साथ दूसरों के जीवन को संकट में डालते हैं। अगर सभी लोग थोड़े-से अनुशासित हो जाएं, दूसरों की सुविधा का ध्यान रखें और जल्दबाजी न करें तो कई हादसे टल जाएं।

ट्वीटर टॉक

मातृभूमि के सेवा में शहीद हुए कुचामन सिटी के लाल पिन्टू पोषक जी एवं करौली के सपूत धर्मवीर खटाना जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। शहीदों के परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना हैं, ईश्वर उन्हें हिम्मत दें।

-गोविंदसिंह डोटासरा

विश्व के विभिन्न देशों में रहकर भारत भूमि की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे सभी प्रवासी बंधुओं - बहनों को आज प्रवासी भारतीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। वर्ष 1915 में इसी दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे, तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी थी।

-ओम बिरला

दिल्ली प्रवास के दौरान माननीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से शिष्टाचार भेंट के अवसर पर मैंने उन्हें राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर नाने की दिशा में पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत 5000 मेगावाट की आवंटन स्वीकृति हेतु अनुरोध किया था।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सदाधारा धारा नगरी

राजा भोज मालवा के राजा थे और महाकवि कालिदास उनके राजकवि थे। एक दिन राजा भोज ने कवि कालिदास से कहा, 'जब मैं यमराज का अतिथि बनूंगा, तो आप मेरी याद में कैसी कविता बनाएंगे?' कालिदास खिन्न होकर अपनी पत्नी के साथ धारा नगरी छोड़कर शीला नगरी चले गए। राजा भोज कालिदास के बिना बहुत बेचैन थे। कुछ दिन बाद वे योगी के वेश में शीला नगरी पहुंचे। वहां राजा का सामना कालिदास से हो ही गया। कालिदास ने पूछा, 'हे योगिराज! आप कहां रहते हैं?' योगी ने कहा, 'मैं धारा नगरी में रहता हूं।' कवि ने पूछा, 'धारा नगरी में राजा भोज सकुशल तो हैं?' योगी का वेश धारण किए हुए राजा भोज ने जवाब दिया, 'राजा का अचानक स्वर्गवास हो गया है।' यह सुनते ही कालिदास ज़मीन पर गिर पड़े और बोले, 'आज भोजराज के दिवंगत हो जाने से धारा नगरी निराधार हो गई है। सरस्वती बिना आलंब की हो गई है और पंडित खंडित हो गए हैं।' कालिदास की बहुत परेशान दशा देखकर राजा भोज ने तत्क्षण अपना रूप बदला और कहा, 'कालिदास, मैं तो तुमसे परिहास कर रहा था।'

सामयिक

मिटाना होगा आत्महत्याओं का कलंक

रमेश सर्राफ धमोरा
मो.: 9414255034

आत्महत्या जैसे मामलों को रोकने के लिए समाज के हर एक जिम्मेदार व्यक्ति को सामने आने की जरूरत है। जिससे ज्यादा-से-ज्यादा लोग इस बात से जागरूक हो सकें और आत्महत्या जैसे मामलों में कमी लाई जा सके। सभी को इस बात को समझने की जरूरत है कि आज की इस भागदौड़ भरी जिन्दगी में तनाव की स्थिति कभी कम तो कभी ज्यादा बनी रहती है।

भारत में आए दिन आत्महत्या की घटनाएं घटित होती रहती है। यहां हर चार मिनट में एक आत्महत्या की जाती है। यहां शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता होगा जब किसी न किसी इलाके से गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, कर्ज जैसी तमाम आर्थिक तथा अन्य सामाजिक दुश्वारियों से परेशान लोगों के आत्महत्या करने की खबरें न आती हों। आत्महत्या करना सभ्य समाज के माथे पर एक कलंक के समान है। आत्महत्या में व्यक्ति स्वयं को दंडित करते हुए अपनी जान दे देता है। ऐसा घिनोना कार्य कोई व्यक्ति तभी करता है जब वह चारों तरफ से निराश हो जाता है।

आत्महत्या करने का सबसे बड़ा कारण आर्थिक पक्ष को माना जाता है। उसके बाद मानसिक, पारिवारिक व अन्य बहुत से कारण हो सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने पर व्यक्ति स्वयं को गिरा हुआ महसूस करता है और अंत में वह आत्महत्या करने जैसा घिनौना कदम उठा लेता है। हम आए दिन अखबारों में पढ़ते हैं कि बहुत से परिवारों ने आर्थिक कर्म से सामूहिक आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। बहुत से किसान अपना खेती का कर्ज नहीं चुका पाने के कारण भी बड़ी संख्या में आत्महत्या करते हैं। आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने कानून तो बना दिया मगर उसका प्रभाव समाज पर पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है। प्रेम में असफल होने पर भी बड़ी संख्या में नवयुवक युवतियां आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर लेते हैं।

आंकड़ों की दृष्टि से भारत आत्महत्याओं के मामले में दुनिया में सिरमौर बनता जा रहा है। आत्महत्या रोकने की दिशा में अब तक सरकारी स्तर पर जितने भी प्रयास हुए हैं वह सब नाकाम साबित हुए हैं। सरकारी आंकड़ों में जितनी आत्महत्या की संख्या दर्शायी जाती है उससे कई गुना अधिक लोग आत्महत्या कर अपनी जान गंवा रहे हैं। मगर आत्महत्या की घटनाओं को रोकने की कोई सार्थक पहल नहीं हो पाई है। खेती के लिए लिया गया कर्ज़ नहीं चुका पाने के कारण भी बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। मगर सरकारी बैंकों, साहूकारों के कर्ज से परेशान किसान आज भी आत्महत्या कर रहें हैं। उन्हें रोकने की दिशा में भी सरकार ने कोई विशेष पहल नहीं की है। बैंक आज भी किसानों से जबरदस्ती कर्ज वसूली के लिए उनकी जमीने नीलाम कर रहे हैं। इसी के चलते किसान मजबूर होकर आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

भारत में आत्महत्या एक प्रमुख समस्या है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में 171,000 आत्महत्याएं की गईं थी जो 2021 की तुलना में 4.2 प्रतिशत अधिक थी । प्रति एक लाख की जनसंख्या पर आत्महत्या की दर 2022 में बढ़कर 12.4 हो गई जो आंकड़ो के हिसाब से सर्वोच्च थी। 2022 के दौरान आत्महत्याओं में 2018 की तुलना में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई और भारत में दुनिया में सबसे अधिक आत्महत्याएं हुईं। वैश्विक आत्महत्या मौतों में भारत के आंकड़े 1990 में 25.3 प्रतिशत से बढ़कर 2016 में महिलाओं में 36.6 प्रतिशत और पुरुषों में 18.7 प्रतिशत से बढ़कर 24.3 प्रतिशत हो गये। 2016 में 15-29 वर्ष और 15-39 वर्ष के आयु समूहों में आत्महत्या मृत्यु का सबसे आम कारण था। दैनिक वेतन भोगी लोग आत्महत्या पीड़ितों का 26 प्रतिशत हिस्सा थे। जो आत्महत्या के आंकड़ों में सबसे बड़ा समूह था।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में राज्यों में सबसे अधिक आत्महत्याएं महाराष्ट्र (22,746) में हुईं। इसके बाद तमिलनाडु में 19,834 और मध्य प्रदेश में 15,386 आत्महत्याएं हुईं। चार राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल को मिलाकर देश में हुयी कुल आत्महत्याओं में से लगभग आधी उक्त प्रदेशों में हुयी थी। नागालैंड में केवल 41 आत्महत्याएं हुईं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में 2017 से 2019 के दौरान भारत में लगभग आधी आत्महत्याएं हुयी हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली में सबसे अधिक आत्महत्याएं हुईं, उसके बाद पुडुचेरी का स्थान रहा। बिहार और पंजाब में 2018 की तुलना में 2019 में आत्महत्याओं के प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुयी थी।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में आत्महत्या की घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता हुआ दिखता है। 2017 में देश में 1,29,887 आत्महत्याओं की मामले रिकॉर्ड किए गए थे। तब आत्महत्या दर 9.9 प्रतिशत थी। आत्महत्या दर प्रति लाख आबादी पर होने वाली आत्महत्या की घटनाओं को दर्शाता है। 2017 के आंकड़ों के मुताबिक देश में प्रति लाख 9.9 आत्महत्या की घटनाएं दर्ज की गईं थी। 2018 में आत्महत्या दर में इजाफा हुआ और ये बढ़ कर 10.2 पर पहुंच गयी थ। तब देश में 1,34,516 आत्महत्या के मामले दर्ज हुए थे। 2019 में कुल 1,39,123 लोगों ने तो 2020 में ये संख्या बढ़कर 1,53,052 हो गई थी। 2021 में आत्महत्या के 1,64,033 मामले हुये थे।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के तुलनात्मक आंकड़े बताते हैं कि भारत में आत्महत्या की दर विश्व आत्महत्या दर के मुकाबले बढ़ी है। भारत में पिछले दो दशकों की आत्महत्या दर में एक लाख लोगों पर 2.5 फीसद की वृद्धि हुई है। आज भारत में 37.8 फीसद आत्महत्या करने वाले लोग 30 वर्ष से भी कम उम्र के हैं। दूसरी ओर 44 वर्ष तक के लोगों में आत्महत्या की दर 71 फीसद तक बढ़ी है। 2018 में पारित हुए मेंटल हेल्थ केयर एक्ट 2017 के तहत भारत में आत्महत्या के अपराधीकरण का कानून खत्म करते हुए मानसिक बीमरियों से जूझ रहे लोगों को मुफ्त मदद का प्रावधान किया गया है। इस नए कानून के तहत आत्महत्या का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति को मदद पहुंचाना, इलाज करवाना और पुनर्वास देना सरकार की जिम्मेदारी होगी।

भारत के साथ-साथ पूरे विश्व में मानसिक स्वास्थ से जूझ रहे लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इस मामले में अभी तक विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से कोई ठोस बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन विश्व के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे आत्महत्याओं के बढ़ते मामलों पर तुरंत संज्ञान लेने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में हर साल लगभग आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं। जिनमें से 21 फीसदी आत्महत्याएं भारत में होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में सरकारों को सलाह दी गई है कि आत्महत्या का मीडिया ट्रायल नहीं हो। देश में अल्कोहल को लेकर ठोस नीति बनाई जाए। आत्महत्या के संसाधनों पर रोक लगाते हुए आत्महत्या के प्रयास करने वालों की उचित देखभाल की जाए।

आत्महत्या जैसे मामलों को रोकने के लिए समाज के हर एक जिम्मेदार व्यक्ति को सामने आने की जरूरत है। जिससे ज्यादा-से-ज्यादा लोग इस बात से जागरूक हो सकें और आत्महत्या जैसे मामलों में कमी लाई जा सके। सभी को इस बात को समझने की जरूरत है कि आज की इस भागदौड़ भरी जिन्दगी में तनाव की स्थिति कभी कम तो कभी ज्यादा बनी रहती है। परंतु इसका समाधान अपनी जिन्दगी को समाप्त कर लेना नहीं हैं। जानबूझकर खुद को मारना आत्महत्या या फेलो डे से के रूप में जाना जाता है।

भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 309 आत्महत्या से संबंधित है। इसमें कहा गया है कि जो कोई भी आत्महत्या का प्रयास करेगा और इस तरह के अपराध को अंजाम देगा उसे एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए कारावास, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि आत्महत्या के मामलों के अध्ययन के बाद सरकार और गैर-सामाजिक संगठनों को मिल कर एक ठोस पहल करनी होगी। इसके लिए जागरुकता अभियान चलाना होगा। ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने की ठोस रणनीति के बिना देश में बढ़ती आत्महत्यों पर रोक लगाना मुश्किल होगा। सरकार को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले आर्थिक-सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारणों की गहराई से पड़ताल करनी चाहिये। साथ ही ऐसे उपाय करे कि लोग अपनी जीवनलीला समाप्त करने का विचार ही दिमाग में न लाए।

नजरिया

परंपरागत एवं आधुनिक चिकित्सा में समन्वय की जरूरत

ललित गर्ग
मो. 9811051133

एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के उपचार को लेकर दुनिया भारत की प्राचीन प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धति की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है, क्योंकि मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना के निदान में भी उसकी भूमिका प्रभावी एवं कारगर रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। इतना ही नहीं प्राकृतिक चिकित्सा उत्पादों का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। इन स्थितियों को देखते हुए यदि आधुनिक विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता कल्याण का नया रास्ता उद्घाटित होगा।

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक महत्त्वपूर्ण शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली है। यह जीवन कला तथा विज्ञान में एक सम्पूर्ण क्रांति है। इसमें प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हलकी पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। योग, ध्यान एवं संतुलित जीवनशैली इस चिकित्सा के आधार है। प्राकृतिक चिकित्सा निर्धन व्यक्तियों एवं गरीब देशों के लिये विशेष रूप से वरदान है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत का जो प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, उसे पिछले एक दशक में देश-विदेश में व्यापक रूप से प्रतिष्ठापित किया गया है और भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, योग को दुनिया में फैलाया गया है। भारत में भीषण गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए।

पारम्परिक एवं पूरक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन- डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दुनिया भर में इस्तेमाल की जा रही पारम्परिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में, एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएँ, स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा, होम्योपैथी, पारम्परिक चीनी चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, कायरोप्रैक्टिक, ऑस्टियोपैथी, आयुर्वेद व यूनानी उपचार शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 170 सदस्य देशों ने अपनी आबादी द्वारा पारम्परिक चिकित्सा के उपयोग पर रिपोर्ट दी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी, पारम्परिक उपचार प्रणालियों के अध्ययन और अभ्यास में क्रान्ति ला रही है। आयुष शब्द आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी का संक्षिप्त रूप है। इसी आधार पर प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक समय में प्रासंगिक बनाने के लिये भारत सरकार में आयुष मंत्रालय बना है। इसी मंत्रालय के प्रयासों से जहां आयुष बाजार को विस्तार मिला, वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है। इससे रोजगार व उद्यमिता को भी नई ऊंचाइयां मिली हैं। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग, आयुर्वेद, भारतीय खानपान एवं जीवनशैली को वैश्विक मान्यता मिली है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार की सहभागिता में गत वर्ष भारत के गुजरात प्रदेश के गांधीनगर शहर में प्रथम पारम्परिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं टिकाऊ विकास में प्रगति को आगे बढ़ाने में, पारम्परिक, पूरक व एकीकृत चिकित्सा की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए इसे व्यापक बनाने की अनेक योजनाओं पर सहमति जताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार ने आधुनिक विज्ञान एवं टैक्नॉलॉजी के ज़रिये, पारम्परिक औषधि में निहित सम्भावनाओं को साकार करने के इरादे से एक वैश्विक केंद्र स्थापित किये जाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किये और गुजरात राज्य के जामनगर शहर में बनाए जाने वाले इस केंद्र की मदद से आमजन की सेहत में बेहतरी लाने और विश्व के हर क्षेत्र में सम्पर्क व लाभ सुनिश्चित किये जाने की योजना को आकार दिया जाने लगा है।

नये विश्व की विडम्बना है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती आधुनिक चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। पारम्परिक चिकित्सा उत्पादों और पद्धतियों के शोध का यह उपयुक्त समय है। दुनियाभर में लोग वैकल्पिक निदानों का रुख कर रहे हैं। इससे अधिक शोध व अधिक साक्ष्य सामने आ रहे हैं और शोध के परिणाम बेहद आशाजनक दिख रहे हैं। प्राचीन संस्कृतियों द्वारा चिकित्सा हेतु प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अलावा, आधुनिक रोगों से निपटने के लिए पारम्परिक समुदाय-आधारित स्वास्थ्य प्रथाओं का भी अभूतपूर्व महत्व है। चेचक के टीके का विकास इसका एक सशक्त उदाहरण है।

भारत की प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं रुझान को देखते हुए जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उनको हम विज्ञान की कसौटी पर भी कसे। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति वैश्विक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समाधान करने में सक्षम एवं कारगर बन रही है तो हमें इस पर व्यापक शोध, अनुसंधान एवं प्रयोग को बल देना चाहिए। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। पारम्परिक चिकित्सा को पूर्व-वैज्ञानिक युग की पद्धति के रूप में देखा जाता है, जिसका स्थान आधुनिक, बेहतर, विज्ञान-आधारित चिकित्सा ने लिया। हालाँकि, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा का प्रादुर्भाव, पारम्परिक उत्पादों व प्रथाओं से ही हुआ है, जिसका एक लम्बा इतिहास है। आज लगभग 40 प्रतिशत फ़ार्मास्युटिकल उत्पाद, प्रकृति और पारम्परिक ज्ञान से आते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण दवाएँ शामिल हैं।

प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां का आधार हमारे विचार, खानपान और प्रकृतिमय जीवन है, जो बीमारियों को पनपने नहीं देता, यदि फिर भी कोई बीमारी आ जाती है उसका सस्ता, सरल, प्रभावी एवं सुगम इलाज पारम्परिक चिकित्सा पद्धति में है। जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां को विस्तारित एवं सशक्त करते हुए हमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं करनी है बल्कि समन्वय करके इंसानों को स्वस्थ बनाने की दिशा में क्रांति का शंखनाद करना है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो बढ़ती बीमारियों एवं महामारियों की चिन्ता को दूर करने के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वैश्विक सभ्यता में भारत का योगदान उल्लेखनीय : क्रिस्टीन

भुवनेश्वर/भाषा

त्रिनिदाद एवं टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने गणित, चिकित्सा और नौवहन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक सभ्यता में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

कंगालू ने '18वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी), 2025 सम्मेलन' को मुख्य अतिथि के रूप में डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, विश्व के विकास में भारत का योगदान उल्लेखनीय है। दुनिया का पहला विश्वविद्यालय 700 ईसा पूर्व तक्षशिला में स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को चिकित्सा के प्राचीनतम ज्ञान के स्रोत के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि नौवहन कला का जन्म लगभग 6,000 वर्ष पहले सिंधु नदी में हुआ था। उन्होंने कहा, बीजगणित, त्रिकोणमिति और गणना भी सबसे पहले भारत में ही विकसित हुए थे।

कंगालू ने कहा कि इसके अलावा, भारत ऐसी नागरिक सभ्यता वाला पहला देश है जिसने अंकगणितीय गणनाओं में शून्य (0) चिह्न का उपयोग किया। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि शतरंज का खेल भी पूर्वी भारत में उत्पन्न हुआ था, जबकि व्यापक रूप से यह माना जाता है कि दशमलव प्रणाली का विकास भी भारत में ही हुआ था। उन्होंने कहा, और भारत के सुश्रुत को व्यापक रूप से शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है।

कंगालू ने कहा कि भारत उन देशों में से एक है जिसने त्रिनिदाद एवं टोबैगो की 1962 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता के तुरंत बाद उसके साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। उन्होंने कहा, हालांकि, भारत के साथ हमारे देश के संबंध उससे बहुत पहले से हैं। हमारा संबंध 1845 से है जब 225 भारतीयों को लेकर पहला पोत त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तट पर पहुंचा था। त्रिनिदाद एवं टोबैगो उस समय ब्रिटिश उपनिवेश था।

त्रिनिदाद एवं टोबैगो की राष्ट्रपति ने कहा कि उसके बाद लगभग 72 वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों एवं कई शहरों से 1,43,000 से अधिक भारतीय आए और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सामाजिक, जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को हमेशा के लिए नया आकार दिया।

कंगालू ने कहा, यहां के लोग भाषा, परंपरा और आस्था के आधार पर विविध लोगों का आकर्षक संगम है और सभी एकजुट है। उन्होंने पीबीडी आयोजित करने में भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले दो दशक में यह सम्मेलन भारत और उसके प्रवासियों के बीच सहयोग में मदद कर रहा है।

कंगालू ने प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पीबीएसए) से सम्मानित करने के लिए भारत को धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति मुर्मू शुक्रवार को यह पुरस्कार प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा, प्रवासी भारतीय सम्मान (पुरस्कार) प्रदान करना सरकार और भारत के लोगों द्वारा देश और दुनिया भर में अपने सभी बच्चों के बीच संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता की मजबूत अभिव्यक्ति है।

कंगालू ने कहा कि उनके देश को भारतीय मूल के लोगों की परंपरा और मूल्यों से काफी लाभ हुआ है। उन्होंने कहा, हमने साहस, सुदृढ़ता और बलिदान की इच्छा से सीखा और लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि त्रिनिदाद एवं टोबैगो को किसी भी अन्य विकासशील देश की तरह कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

कंगालू ने कहा, लेकिन, देश के पास भारतीय मूल के हमारे नागरिकों के साहस और दृढ़ संकल्प की समृद्ध विरासत का लाभ है। उन्होंने कहा कि वह पीबीडी के मुख्य अतिथि के रूप में चुने जाने के लिए भारत की आभारी हैं।

मुलाकात

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने गुरुवार को तिरुपति में हुए भगदड़ के पीड़ितों से अस्पताल में मुलाकात की।

मुझे इंदिरा गांधी बहुत मजबूत महिला लगती थीं, लेकिन पता चला कि वह तो कमजोर थीं : कंगना

मुंबई/भाषा

फिल्म इमरजेंसी में इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रहीं कंगना रनौत का कहना है कि वह पूर्व प्रधानमंत्री को बहुत मजबूत महिला मानती थीं, लेकिन गहन अध्ययन के बाद अब उनका मानना है कि वह ''कमजोर'' थीं और ''उन्हें खुद पर यकीन नहीं'' था।

हिमाचल प्रदेश के मंडी से पहली बार लोकसभा सदस्य कंगना अक्सर विवादास्पद बयानों के लिए सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज कोई भी निर्देशक उनके लायक नहीं है।

रनौत ने चर्चित फिल्म इमरजेंसी की रिलीज से पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए वीडियो साक्षात्कार में कहा, मैं बहुत गर्व के साथ कह रही हूं कि आज फिल्म उद्योग में एक भी ऐसा निर्देशक नहीं है, जिसके साथ मैं काम करना चाहूं, क्योंकि उनमें वो बात ही नहीं है...कि मैं उनके साथ काम करने के लिए राजी हो सकूं।

रनौत ने तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा 1975 में लगाए गए 21 महीने के आपातकाल को दर्शाने वाली फिल्म ''इमरजेंसी'' का निर्देशन और निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इंदिरा गांधी से समानुभूति रखती हैं और जब तक उन्होंने इस फिल्म पर काम शुरू नहीं किया था, तब तक वह उन्हें बहुत मजबूत मानती थीं।

रनौत ने कहा, लेकिन जब मैंने अध्ययन किया तो मुझे समझ में आया कि वह इसके बिल्कुल विपरीत थीं। इससे मेरा यह विश्वास और मजबूत हुआ कि आप जितने कमजोर होते हैं, उतना ही अधिक नियंत्रण आप चाहते हैं। वह एक बहुत कमजोर व्यक्ति थीं। उन्हें खुद पर यकीन नहीं था और वह वास्तव में कमजोर थीं। उन्होंने कहा, उनके आसपास बहुत सी बैसाखियां थीं और वह लगातार किसी न किसी तरह खुद को सही ठहराना चाहती थीं। वह कई लोगों पर बहुत अधिक निर्भर थीं, उनमें से एक संजय गांधी भी थे। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी फिल्म में इंदिरा गांधी और आपातकाल के चित्रण को लेकर अपनी तरफ से कोई बदलाव नहीं किया। रनौत ने यह भी कहा कि वह संसद में इंदिरा गांधी की पोती और सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा से मिलीं और फिल्म के बारे में बात की।

रनौत ने वायनाड से कांग्रेस सांसद वाद्रा के साथ अपनी संक्षिप्त बातचीत को याद करते हुए कहा, मैं संसद में श्रीमती प्रियंका गांधी से मिली और उन्होंने मेरे काम और मेरे बालों की तारीफ की। तो मैंने कहा, आप जानती हैं, मैंने एक फिल्म इमरजेंसी बनाई है। शायद आपको इसे देखना चाहिए। वह बोलीं, ठीक है, शायद। इमरजेंसी फिल्म 17 जनवरी को रिलीज होगी। फिल्म महीनों पहले रिलीज होनी थी, लेकिन सेंसर प्रमाणपत्र और सिख समुदाय को गलत तरीके से दिखाने के आरोपों की वजह से रिलीज नहीं हो सकी।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तीन हिंदू युवकों का अपहरण

लाहौर/भाषा

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अपराधियों ने तीन हिंदुओं का अपहरण कर लिया है। अपराधियों ने पुलिस से मांग की है कि वह उनके साथियों को छोड़ दे अन्यथा वे अपहृत लोगों की हत्या कर देंगे। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यहां से करीब 400 किलोमीटर दूर पंजाब प्रांत के रहीम यार खान जिले के भोंग क्षेत्र में अपहरण की यह घटना घटी। पुलिस के अनुसार, जब तीन हिंदू युवक (शमन, शमीर और साजन) भोंग में 'चौक सवेत्रा बेसिक हेल्थ यूनिट (बीएचयू)' के पास मौजूद थे, तब पांच सशस्त्र डकैत उन्हें अगवा कर कच्चा (नदी क्षेत्र) क्षेत्र में ले गए।

बाद में इन डकैतों के सरगना आशिक कोराई ने एक वीडियो संदेश जारी किया और अहमदपुर लामा थाने के पुलिस अधिकारी राणा रमजान को चेतावनी दी कि वह कोराई परिवार के दस सदस्यों को रिहा कर दें, वरना वे (डकैत) न केवल अपहृत हिंदू युवकों की ''हत्या कर देंगे बल्कि पुलिस पर भी हमला करेंगे।

वीडियो में जंजीर में बंधे नजर आ रहे हिंदू युवक प्रशासन से अपनी रिहाई की गुहार लगा रहे हैं।

पिछले साल रहीम यार खान जिले के कच्चा क्षेत्र में डकैतों द्वारा दो पुलिस वाहनों पर किए गए हमले में 12 पुलिसकर्मी मारे गए थे और सात घायल हो गए थे।

दक्षिणी पंजाब प्रांत और सिंध प्रांत के मैदानों के कच्चा क्षेत्र में डकैतों का इतना दबदबा है कि कई अभियानों के बाद भी पंजाब पुलिस क्षेत्र से उन्हें खदेड़ नहीं पायी है।

ट्रंप सरकार में भी यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रहनी चाहिए: जेलेंस्की और ऑस्टिन

रामस्टीन एयर बेस (जर्मनी), नौ जनवरी (एपी) यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बृहस्पतिवार को अपनी अंतिम बैठक में कहा कि अगली ट्रंप सरकार को यूक्रेन की सैन्य सहायता जारी रखनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अब सैन्य समर्थन बंद कर दिया गया तो इससे ''केवल और केवल आक्रामकता, अराजकता एवं युद्ध बढ़ेगा। जेलेंस्की ने कहा, हम इतनी लंबी दूरी तय कर चुके हैं कि अब युद्ध को छोड़ देना और हमारे द्वारा बनाए गए रक्षा गठबंधनों को आगे नहीं बढ़ाना वास्तव में पागलपन होगा। दुनिया में चाहे जो भी हो रहा हो, हर कोई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उनका देश नक्शे से न मिटे। ऑस्टिन ने अमेरिका द्वारा यूक्रेन को 50 करोड़ डॉलर की सुरक्षा सहायता भेजे जाने की भी घोषणा की।

इस सहायता में लड़ाकू विमानों के लिए मिसाइल, एफ-16 के लिए उपकरण, बख्तरबंद पुल प्रणाली और छोटे हथियार तथा गोला-बारूद भी शामिल हैं। ऑस्टिन ने पिछले तीन वर्षों से यूक्रेन के लिए हथियारों और सैन्य सहायता के समन्वय के लिए बैठकें कर रहे लगभग 50 सदस्य देशों से कहा, अगर पुतिन यूक्रेन को निगल जाते हैं तो उनकी भूख और बढ़ेगी। उन्होंने कहा, अगर तानाशाह यह मान ले कि लोकतंत्र अपनी जड़ें खो देगा, अपने हितों को त्याग देगा और अपने सिद्धांतों को भूल जाएगा तो हम और अधिक भूमि पर कब्जा देखेंगे।

हिना खान ने कैंसर से अपनी जंग के बारे में बात की

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हिना खान ने इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर: चैंपियंस का टशन में कैंसर से अपनी जंग के बारे में बात की। इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर: चैम्पियंस का टशन का आगामी एपिसोड मकरसंक्रांति के उत्सव को और भी शानदार बनाने का वादा करता है। हर्ष लिंबाचिया की मेज़बानी वाले इस डांसरियलिटी शो में मलाइका अरोड़ा टीम इंडियाज़ बेस्ट डांसर की गौरवशाली मालकिन हैं, जबकि गीता कपूर टीम सुपर डांसर की असाधारण युवा प्रतिभाओं की मेंटर हैं। इसरोमांचक मुकाबले पर मशहूर कोरियोग्राफ़र/निर्देशक रेमो डिसूज़ा की पैनी नज़र है, जो सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह मुकाबला निष्पक्ष होने के साथ ही बेहद दिलचस्प रहे। इस एपिसोड में मशहूर अदाकारा हिना खान भी शामिल होंगी, जो अपनी नई ड्रामा वेबसीरीज़ गृहलक्ष्मी के प्रमोशन पर आई थीं। हिना ने कैंसर से जूझने के अपने प्रेरक सफर के बारे मेंबताया, जिससे जज, प्रतियोगी और दर्शक बेहद प्रभावित हुए।

इस बीमारी के निदान के वक्त को याद करते हुए हिना ने कहा,जिस रात मुझे पताचला, उस रात मेरा पार्टनर घर आया, जब मैं डिनर कर रही थी। डिनर करने के बाद, उन्होंने मुझे बताया कि रिज़ल्ट पॉजिटिव थे, और उनके आंसू गिरने लगे। यह बात मुझे बहुत बुरी लगी; 10 मिनट तक मैं चुप रही। उन्होंने उस मार्मिक पल को याद किया जिसने उनका नज़रिया बदल दिया। मैंने अपने भाई के साथ फालूदा का ऑर्डर दिया था। जब डिलीवरी के लिए घंटी बजी, तो ऐसा लगा कि 'घर में मीठा आया है।' वह फालूदा मेरे लिए महत्वपूर्ण मोड़ बन गया। निराश होने के बजाय, मैंने सकारात्मक रहने का फैसला किया।हमने साथ में फालूदा खाया और फिर हम सो गए। अपने इलाज के दौरान, हिना ने बहुत अधिक साहस और दृढ़ संकल्प दिखाया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी सर्जरी, जिसमें 8 घंटे लगने की उम्मीद थी, 15 घंटे लग गए। फिर भी, जागने पर उनका पहला विचार उनके केयरगिवर्स के लिए था। जब वे मुझे ओटी से बाहर ले गए, तो हर कोई गेट पर खड़ा था। मैं उन्हें देखकर मुस्कुराई, उनका हाथ थामा, और उस मुस्कान ने सब कुछ बदल दिया।

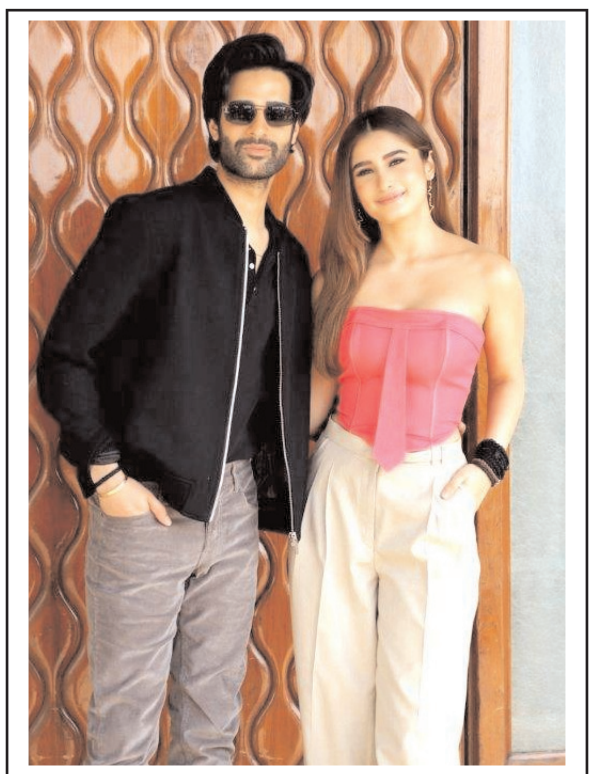

अभिनेता राशा थडानी और अमन देवगन गुरुवार को जुहू में अपनी आगामी फिल्म 'आज़ाद' के प्रचार कार्यक्रम के दौरान।

अगर आराम करूंगा तो मुझे जंग लग जाएगा: मोहनलाल

नई दिल्ली/भाषा। मलयाली फिल्मों के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल का कहना है कि लगातार काम करते रहना कोई अनोखी बात नहीं है। मोहनलाल ने 45 साल से ज्यादा के करियर में अलग-अलग इंडस्ट्री में 360 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने एक साल में 36 फिल्मों में काम किया, जो काम के प्रति उनके जुनून को दर्शाता है। उन्होंने निर्देशक फाजिल की मंजिल विरिन्जा पुक्कल (1980) में एक खलनायक की भूमिका के साथ फिल्मों में अपना करियर शुरू किया और फिर मणिचित्राथजू, वानप्रस्थम, किरीदम, भारतम, इरुवर और दृश्यम जैसी फिल्मों में काम किया।

अभिनेता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मेरे पेशे के प्रति मेरा जुनून मेरे लिए खुराक है। आपको अपने पेशे से प्यार करना चाहिए। इसलिए मेरे लिए हर दिन एक खूबसूरत दिन है। मुझे महान अभिनेताओं और निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है। मैं उनके आशीर्वाद से आगे बढ़ा हूं। मैं अपने पेशे के लिए समर्पित हूं। मैं एक कलाकार हूं और यह रचनात्मकता मेरी यात्रा के लिए ईंधन है। उन्होंने कहा, फिल्मों में यह मेरा 47वां साल है... आम तौर पर मैं एक फिल्म पूरी करके दूसरी फिल्म करता हूं। लेकिन आजकल, कभी-कभी मुझे अपने काम में फेरबदल करना पड़ता है, लेकिन फिर भी मुझे कोई परेशानी नहीं है। मैंने एक साल में 36 फिल्में की हैं। इसलिए यह मेरे लिए कोई नयीं बात नहीं है... अगर मैं आराम करूंगा, तो मुझे जंग लग जाएगा।

मनमोहन (64) ने हाल ही में फिल्म बैरोज के साथ निर्देशन में पदार्पण किया है, जिसमें वह मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं।

मोहनलाल ने कहा कि निर्देशक बनने का निर्णय योजनाबद्ध नहीं था। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने सोचा कि उन्हें पूरे करियर के दौरान उन्हें मिले प्यार और समर्थन के बदले में अपने प्रशंसकों को कुछ देना चाहिए।

24 को रिलीज होगी रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा

मुम्बई/एजेन्सी

गीक पिक्चर्स इंडिया की फिल्म रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा, 24 जनवरी को रिलीज होगी। फिल्म रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। गीक पिक्चर्स इंडिया ने घोषणा की है कि यह फिल्म 24 जनवरी पूरे भारत में रिलीज होगी।रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा धमाकेदार अंदाज में वापस आ रही है! इस बार इसे 4के रेमास्टर और बेहतर ऑडियो के साथ पेश किया जाएगा। पहली बार दर्शक इस शानदार कहानी को हिंदी, तमिल और तेलुगु में भी देख पायेगे,साथ ही इसका ओरिजिनल अंग्रेजी वर्जन भी रहेगा। रिलीज से पहले, गीक पिक्चर्स इंडिया 10 जनवरी को इसका ट्रेलर लॉन्च करने वाली है।

गीक पिक्चर्स इंडिया के को-फाउंडर अर्जुन अग्रवाल ने कहा, रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं है, ये एक विरासत है जो पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों को प्रेरित करती आई है।हमें गर्व है कि हम इस सबसे पसंदीदा महाकाव्य को फैंस और नई ऑडियंस तक पहुंचा रहे हैं। हमने इंडस्ट्री के बेस्ट लोगों के साथ काम किया है और इसे कई भाषाओं में पेश कर रहे हैं, ताकि ये टाइमलेस कहानी इंडिया के हर कोने तक पहुंचे और दिलों को छू सके। ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये हमारी संस्कृति का जश्न है, जो पीढ़ियों को जोड़ता है। इस फिल्म को पूरे भारत में गीक पिक्चर्स इंडिया, एए फिल्म्स और एक्सेल एंटरटेनमेंट की ओर से डिस्ट्रीब्यूट किया जा रहा है।

मोटवानी की 'ब्लैक वारंट' मनोरंजक अंदाज में दिखाएगी जेल के भीतर की कहानी

नई दिल्ली/भाषा। फिल्मकार विक्रमादित्य मोटवानी की नई सीरीज ''ब्लैक वारंट'' एक जेलर की नजर से तिहाड़ जेल परिसर के अंदर की दुनिया को दिखाती है। इसकी कहानी जेल की पृष्ठभूमि पर है लेकिन स्याह पहलू के विपरीत इसे बेहद मनोरंजक अंदाज में दिखाया गया है।

तिहाड़ जेल के पूर्व अधीक्षक सुनील गुप्ता और पत्रकार सुनीता चौधरी की किताब ''ब्लैक वारंट: कन्फेशंस ऑफ ए तिहाड़ जेलर'' पर आधारित सीरीज का 10 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा। बहुप्रशंसित ''सेक्रेड गेम्स'' के बाद नई सीरीज लेकर आ रहे मोटवानी ने कहा कि 1980 के दशक की कहानी में स्वाभाविक रूप से बहुत कुछ ''मसाला'' है।

मोटवानी ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, ''मेरा मानना है कि कुल मिलाकर दृष्टिकोण यह था कि इसमें कुछ बहुत ही मसाला है। मैं जेल की कहानी को अंधकारमय पहलू के बजाय मनोरंजक अंदाज में पेश करना चाहता था। मैं इसे मसाला, मनोरंजक तथा कुछ जगहों पर मजेदार बनाना चाहता था।''

उन्होंने कहा, ''आप सिर्फ गुप्ता के जीवन को देखते हैं। आपको नहीं पता होता कि वह नौकरी में टिकेगा या नहीं। क्या अगले दिन चला जाएगा या नौकरी छोड़ देगा। यह बात आपको शो के प्रति पूरी तरह से आकर्षित करती है।''

समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों ''उड़ान'', ''लुटेरा'', ''ट्रैप्ड'', ''सीटीआरएल'' और वेब सीरीज ''जुबली'' के लिए चर्चित मोटवानी ने कहा कि जब उन्होंने कुख्यात हत्यारे चार्ल्स शोभराज के साथ गुप्ता की पहली मुलाकात के बारे में पढ़ा तो वह तुरंत इस किताब के प्रति आकर्षित हो गए। उन्होंने कहा, ''जब यह किताब पहली बार मेरे पास आई, तो मुझे बहुत पसंद आई। किताब में, जब पहली बार असली सुनील असली चार्ल्स शोभराज से मिलता है, तो आप कहते हैं, 'वाह, यह कितना शानदार दृश्य है, एक शानदार क्षण है, और इतिहास का एक छोटा सा हिस्सा है जिसके बारे में वास्तव में कोई नहीं जानता।' और इस पहलू ने मुझे आकर्षित कर लिया।''

मोटवानी ने कहा, ''जितना अधिक आप पढ़ते हैं, उतना ही आप इसे पसंद करने लगते हैं। विषय मजबूत है। सुनील गुप्ता का जीवन, जिस तरह से उन्होंने और सुनेत्रा ने इसे कलमबद्ध किया वह बहुत शानदार है। चुनौती इस पुस्तक का विस्तार करना थी क्योंकि यह 200 पृष्ठों में 35 वर्षों को समेटे हुए है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें उम्मीद है कि यह सीरीज लोगों को उस दौर में घटित हुई घटनाओं के बारे में और अधिक पढ़ने के लिए प्रेरित करेगी, मोटवानी ने कहा कि उन्हें खुशी होगी यदि लोग उस दौर में घटित हुई घटनाओं के बारे में और अधिक गहराई से पढ़ें।

मोटवानी ने कहा, ''इतिहास में मेरी दिलचस्पी रही है। मुझे हर चीज में दिलचस्पी है। लेकिन आधुनिक भारतीय इतिहास एक ऐसी चीज है जिसे मैं सोचता हूं कि आम तौर पर बहुत नजरअंदाज किया जाता है। हम अपने हालिया इतिहास को बहुत आसानी से भूल जाते हैं। यह मुझे चीजों को गहराई से समझने का मौका देता है क्योंकि यह बहुत सी चीजों को समझाता है।'' शशि कपूर के पोते जहान कपूर ने ''ब्लैक वारंट'' के लिए ऑडिशन दिया और गुप्ता की भूमिका के लिए एकदम सही लगे। जहान ने 2022 में हंसल मेहता की फिल्मी ''फराज'' से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की। अभिनेता सिद्धांत गुप्ता ने सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज की भूमिका निभाई है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

चीन ने उइगर चरमपंथियों को सीरियाई सेना में शीर्ष पदों पर नियुक्त किए जाने पर चिंता जताई

बीजिंग/भाषा। चीन ने उइगर चरमपंथियों के प्रतिबंधित समूह ईस्ट तुर्कमेनिस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) के सदस्यों समेत विदेशी चरमपंथियों को सीरिया की सेना में उच्च पदों पर नियुक्त किए जाने पर गहरी चिंता जताई है।

ईटीआईएम चीन के अशांत शिनजियांग प्रांत में सक्रिय है। चीन ईटीआईएम को आतंकवादी संगठन और शिनजियांग प्रांत के कई शहरों में हुए हमलों का दोषी मानता है।

संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने बुधवार को सीरिया पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान इस बारे में चिंता जताई।

कांग ने कहा कि चीन उन खबरों को लेकर बहुत चिंतित है, जिनमें कहा गया है कि सीरियाई सेना ने हाल ही में कई विदेशी आतंकियों को उच्च पदों पर नियुक्त किया है, जिनमें प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तुर्किस्तान इस्लामिक पार्टी यानी ईटीआईएम की परिषद का प्रमुख भी शामिल है।

यहां सरकारी मीडिया में आई खबरों के अनुसार उन्होंने सीरिया से आतंकवाद-रोधी दायित्वों को पूरा करने तथा किसी भी आतंकवादी समूह को, अन्य देशों की सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए सीरियाई क्षेत्र का उपयोग करने से रोकने का आह्वान किया।

सीरिया से आ रहीं खबरों के अनुसार, अहमद अल-शरा के नेतृत्व वाली नई सरकार ने 50 नए सैन्य अधिकारियों की नियुक्ति की है, जिनमें ईटीआईएम के लड़ाके समेत छह विदेशी लड़ाके शामिल हैं।

शहर के राजाराम आँजणा पटेल संघ की ओर से बुधवार को कर्नाटक पटेल भवन में आयोजित सम्मान समारोह में चौधरी समाज अमेरिका एवं कनाडा के अध्यक्ष और विश्व आँजणा महासम्मेलन सौलेया गुजरात के मेजबान रमणभाई चौधरी सौलेया का सम्मान किया।

अमेरिका व कनाडा चौधरी समाज के अध्यक्ष रमण चौधरी का किया सम्मान

राजाराम आँजणा पटेल संघ बेंगलूरु ने आयोजित किया सम्मान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाराम आँजणा पटेल संघ की ओर से बुधवार को कर्नाटक पटेल भवन में आयोजित सम्मान समारोह में चौधरी समाज अमेरिका एवं कनाडा के अध्यक्ष और विश्व आँजणा महासम्मेलन सौलेया गुजरात के मेजबान रमणभाई चौधरी सौलेया का सम्मान किया। रमणभाई चौधरी परिवार की ओर से पैतृक गांव सौलेया में विश्व आँजणा महासम्मेलन का द्वितीय वर्षगांठ दिवस मनाया। इस सम्मान समारोह में दिल्ली आँजणा पटेल समाज के अध्यक्ष शंकरराम, पूर्व अध्यक्ष देवराज, दिल्ली पटेल समाज की कमेटी और चेन्नई पटेल समाज के बाबूलाल चौधरी का भी सम्मान किया गया।

इस मौके पर रमणभाई चौधरी ने बेंगलूरु पटेल समाज को संबोधित करते हुए कहा कि शिकारपुरा धाम के महंत का स्पष्ट उपदेश है कि हमें व्यसन एवं फैशन से दूर रहना चाहिए तथा अपने बच्चो को उच्च शिक्षित कर देश विदेश मे व्यवस्थित स्थापित करना चाहिए।

आने वाला समय ऑटोमेशन का आने वाला है, इसलिए भविष्य मे उच्च शिक्षा का काफी महत्व होगा। रमण चौधरी ने विश्व आँजणा महासम्मेलन के आयोजन पर प्रकाश डाला। रमणभाई चौधरी तिरूपति बालाजी, बेंगलूरु, मदुरै, रामेश्वरम के दर्शन कर चैन्नई से अहमदाबाद के लिए रवाना हुए।

लॉस एंजिलिस में लगी भीषण आग में कई हस्तियों के घर जलकर राख

लॉस एंजिलिस/एपी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर और उसके आसपास लगी भीषण आग में बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर और पेरिस हिल्टन समेत विभिन्न हस्तियों के मकान जलकर राख हो गए। कैलिफोर्निया के दमकलकर्मी तेज हवाओं के कारण इलाके में दूर-दूर तक फैल रही आग को बुझाने में जुटे हुए हैं, जिसकी वजह से कई मकान तबाह हो गए हैं और सड़कें जाम हो गई हैं। हजारों लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। मंगलवार रात लगी आग पर काबू नहीं पाया जा सका, जिसके कारण संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है। घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक लाख से अधिक लोगों को दूसरे स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। आग मंगलवार रात हॉलीवुड बाउल के निकट और हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम से कुछ ही दूरी पर लगी। क्रिस्टल और उनकी पत्नी जेनिस ने बुधवार को एक बयान जारी करके बताया कि पेसिफिक पेलिसेड्स के पास उनका 45 वर्ष पुराना घर बर्बाद हो चुका है।

क्रिस्टल ने बयान में कहा, जेनिस और मैं 1979 से इस घर में रह रहे थे। हमने अपने बच्चों के बच्चों को यहीं पाला है। हमारे घर का हर कोना खूबसूरत यादों से भरा हुआ था। बेशक हम बहुत दुखी हैं, लेकिन अपने बच्चों और दोस्तों के प्यार के सहारे हम इस दुख से उबर जाएंगे। आग लगने की घटना से लगभग 72 घंटे पहले हॉलीवुड के सबसे बड़े सितारे गोल्डन ग्लोब्स के रेड कार्पेट पर चलने के लिए एकत्र हुए थे। हालांकि आग लगने के बाद गोल्डन ग्लोब्स पुरस्कार समारोह का उत्साह भी ठंडा पड़ गया। इसके अलावा बैटर मैन और द लास्ट शोगर्ल के प्रीमियर रद्द कर दिए गए। स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवार्ड्स के नामांकन की घोषणा लाइव कार्यक्रम के बजाय प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से की गई और एएफआई अवार्ड्स जैसे सप्ताहांत के कार्यक्रमों को भी रद्द किया जा चुका है। ऑस्कर नामांकन भी दो दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। अब यह 19 जनवरी को होगा। जंगल में लगी भीषण आग के कारण कई सितारों के घर तबाह हो गए। मूर का पासाडेना के पास अल्ताडेना इलाके में स्थित घर आग में जलकर राख हो गया।

अभिनेत्री-गायिका ने 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में लिखा, ईमानदारी से कहूं तो मैं सदमे में हूं। मेरे बच्चों का स्कूल भी जलकर तबाह हो गया। हमारे पसंदीदा रेस्तरां जलकर खाक हो गए। बहुत से दोस्तों और प्रियजनों ने भी सब कुछ खो दिया है।

द प्रिंसेस ब्राइड और कई अन्य फिल्मों के स्टार एल्वेस ने बुधवार को 'इंस्टाग्राम' पर लिखा कि उनका परिवार सुरक्षित है लेकिन आग में पैलिसेड्स स्थित उनका घर जल गया। एल्वेस ने लिखा, दुख है कि हमने अपना घर खो दिया लेकिन शुक्र है कि हम इस विनाशकारी आग से बच निकले। हिल्टन ने 'इंस्टाग्राम' पर एक न्यूज वीडियो क्लिप पोस्ट की और कहा कि इसमें मालिबू में उनके नष्ट हो चुके घर की फुटेज शामिल है। उन्होंने अपने छोटे बच्चों का जिक्र करते हुए कहा, यह वह घर था, जिससे हमारी बहुत सारी अनमोल यादें जुड़ी हैं। यह वह जगह है जहां फीनिक्स (बेटे) ने चलना सीखा और जहां हमने लंडन (बेटी) के साथ जीवन भर की यादें संजोने का सपना देखा था।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जय कर्नाटक द्वारा विजयानंदनगर में अणम्मादेवी, सर्कल मारामादेवी, बंडे महाकाली अम्मा उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। जय कर्नाटक के गंगाधर एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ सभा हनुमंतनगर सभा के अध्यक्ष गौतम दक के नेतृत्व में सभा उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या, मंत्री हेमराज मांडोत, सहमंत्री महावीर देरासरिया, परामर्शक बालचंद चावत, सभा सदस्य महावीर बोल्या ने चिकमगलूर से विहार कर बिदड़ी पहुंचे मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और हनुमंतनगर पधारने का निवेदन किया।

जेबीएन-वी कनेक्ट की बैठक में हुई व्यवसायिक चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो जेबीएन वी कनेक्ट ने अपनी तीसरी कार्यकाल की बैठक जीतो कार्यालय में जीतो महिला विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना और महामंत्री रक्षा छाजेड़ के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत में एलटी टीम ने मैनेजिंग कमिटी टीम का परिचय दिया। पूनम वर्धमान ने अपनी 8 मिनट की प्रस्तुति में संतुलित पोषण, जागरूक जीवन और स्थायी आदतों के माध्यम से बीमारियों को उलटने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। शैक्षिक सत्र में पायल वर्धमान ने 8 मिनट की प्रस्तुति के महत्व को समझाया और जीया जैन ने लक्ष्य प्राप्ति और वित्तीय स्वतंत्रता पर गहराई से चर्चा की। बैठक में अध्यक्ष सीमा शाह, उपाध्यक्ष मीना जैन और सचिव लीला पितलिया उपस्थित थीं। विशेष प्रयास के लिए जीया जैन को और समयबद्धता के लिए मीनू जैन को पुरस्कार दिए गए।

सीए नियति भंसाली का जीतो हुब्बल्ली चैप्टर ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के जीतो हुब्बल्ली चैप्टर ने गदग यूथ विंग की सदस्या सीए नियति जीतेंद्र भंसाली को उनके पहले प्रयास में सीए फाइनल पास करने पर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में जीतो हुब्बल्ली चैप्टर के चेयरमैन अनिलकुमार जैन, केकेजी जोन के संयोजक भारत पटवारी, केकेजी जोन की महिला संयोजक पिंकी जैन, गदग चैप्टर की चेयरपर्सन स्वीटी भंसाली, सीए इंदिरा बागमार, राजन जैन, राहुल गादिया, भूषण शाह और अन्य सदस्य मौजूद थे। उपस्थित जनों ने सीए नियति भंसाली को शुभकामनाएं दी।

प्रयागराज में 'साधु' गुरुवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम की ओर महाकुंभ मेला 2025 के लिए शाही प्रवेश जुलूस 'छावनी प्रवेश' में भाग लेते हुए।

ओकलीपुरम पहुंची 'तेरापंथ सभा आपके द्वार' यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा सभा आपके द्वार उपक्रम का आयोजन सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली के नेतृत्व में ओकलीपुरम में हुआ। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के सभी तेरापंथी परिवारों के घरों में जाकर उनकी सार सँभाल करना, तेरापंथ कार्ड, माइनॉरिटी सर्टिफिकेट और तेरापंथ नेटवर्क की जानकारी भी प्रदान करना है। सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभा की गतिविधियों एवं महासभा के आयामों की जानकारी प्रदान की एवं जिज्ञासा समाधान भी किया। इस यात्रा में कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, सज्जनराज छाजेड़, अशोक रांका, सज्जन सिसोदिया, हितेश छाजेड़, प्रवीण कटारिया का विशेष सहयोग रहा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com